पत्रकारिता एवं जनसंचार

MJMC-01

जनसंचार एवं पत्रकारिताः स्वरूप और सिद्धान्त

प्रथम खण्ड – संचार की भूमिका

ईकाई–1 संचार, अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, सफलता, कार्य, तत्व, संचार के प्रकार : स्वगत, अन्तर्वैयक्तिक, समूह, जनसंचार जनमाध्यम : प्रकार, आयाम।

इकाई–2 संचार के माडल : अर्थ एवं परिभाषा : अर्थ एवं परिभाषा, संचार प्रक्रिया, संचार माडलों का विकास। संचार के महत्वपूर्ण माडल :एरिस्टॉटल, कैनेथ बुक, लीगन्स, लास्वेल, वेसली और मैकेलियन, शेनम और वीवर, गवर्नर, आस्गुड्स, बिलबर श्रेय का माडल।

इकाई–3 जनसंचार के सिद्धांत (प्रिण्ट मीडिया) : प्रेस के चार सिद्धांत, मानक सिद्धांत, लोकप्रिय सांस्कृतिक दृष्टिकोण, संवेदी विस्तार सिद्धांत। जनसंचार के सिद्धांत (इलेक्ट्रानिक मीडिया) : गणितीय, माध्यम सर्वशक्तिमान, कार्यसूची आधारित कार्य, द्विस्तरीय प्रभाव, बहुस्तरीय प्रभाव, निर्भरता सिद्धांत, खेल सिद्धांत, बुलेट सिद्धांत, षडयन्त्र सिद्धान्त। सामाजिक प्रभाव का एकात्मक सिद्धान्त, उपयोग एवं संतृप्ति सिद्धान्त, परावर्ती, प्रक्षेपीय सिद्धान्त, संगति या संतुलन सिद्धांत, उदारवादी लोकतांत्रिक सिद्धांत तथा स्वतन्त्रतावादी सिद्धान्त।

इकाई–4 **संचार शोध :** अर्थ एवं परिभाषा। संचार शोध के क्षेत्र : स्रोत/सम्प्रेषक, संदेश, माध्यम, श्रोता/दर्शक, प्रक्रिया और प्रभाव। संचार शोध की पद्धति : ऐतिहासिक भौतिक विज्ञान, समाज वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक। तथ्य संकलन के स्रोत। तथ्य संकलन की विधि : आसन कार्य, क्षेत्रीय, निदर्शन, विश्लेषण। संचार शोध में सांख्यिकीय : माध्य, माध्यिका, बहुलक, सह सम्बन्ध। भारतीय सन्दर्भ में संचार शोध की उपयोगिता।

इकाई–5 **जनमाध्यमों का प्रभाव –** मुद्रित, रेडियो, सिनेमा टी.वी., वीडियो, केबल टी.बी. और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव। जनमाध्यमों के प्रभाव का मूल्यांकन।

द्वितीय खण्ड : पत्रकारिता

इकाई–1 पत्रकारिता : अवधारणा, अर्थ, परिभाषा। पत्रकारिता के विविध रूप : ग्रामीण, आर्थिक, विकास, संसदीय, स्वास्थ्य, खेल, विज्ञान, बाल, महिला। पत्रकारिता का वर्तमान परिवेश, दायित्व, प्रशिक्षण।

इकाई–2 **भाषायी पत्रकारिता की भूमिका –** एक अनिवार्यता, उदय और विकास, आंचलिकता, भाषायी पत्रकारिता और जनमत प्रभावित करने वाले कारक : साक्षरता का स्तर, क्रय शक्ति, तकनीकी विकास, भाषायी पत्रकारिता का भविष्य।

इकाई–3 **भारत में अंग्रेजी पत्रकारिता –** विकास, अंग्रेजी पत्रों का प्रादुर्भाव, भारतीय जागरण, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में पत्रकारिता की भूमिका। अंग्रेजी समाचार पत्रों का गुणात्मक मूल्यांकन : वस्तुस्थिति, अन्तर्वस्तु, प्रस्तुतीकरण, द्वितीय प्रेस आयोग की सिफारिश। अंग्रेजी प्रेस की स्थिति, वर्गीकरण, प्रसार।

इकाई–4 **पत्रकारिता का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप –** पत्रकारिता, शीघ्रता में प्रस्तुत साहित्य, मानव जीवन, राजनीति, पत्रकारिता, साहित्यिक विधा और पत्रकारिता, मुख्य साहित्यिक पत्र–पत्रिकाएँ। पत्रकारिता का सांस्कृतिक स्वरूप : सांस्कृतिक विकृति और प्रकृति, भारतीय संस्कृति के मूल स्रोत, संस्कृति परक पत्र–पत्रिकाएं

इकाई–5 **प्रेस की स्वतंत्रता :** अवधारणा, आकलन, स्वरूप, महत्ता, प्रकाशन और सेंसर, सूचना पाने का अधिकार, प्रेस की स्वतंत्रता। भारत में प्रेस की स्थिति, प्रेस और सरकार, भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता, स्वातन्त्रोत्तर भारत में प्रेस का आकलन।

खण्ड –3 विविध जनमाध्यम

इकाई–1 **मुद्रित माध्यम :** प्रारम्भिक समाचार एवं पत्रिका, समाचार पत्र, परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार, कर्तव्य आदर्श। समाचार पत्रों का स्वामित्व : एकल, साझेदारी, मिश्रित पूंजी कम्पनी, ट्रस्ट, समितियां, भारतीय पत्र जगत की साम्प्रतिक स्थिति।

इकाई–2 **पारम्परिक लोक माध्यम की अवधारणा –** शास्त्रीय एवं लोक संगीत, नाटक, धार्मिक, लोक नाट्य लोक कला, कठपुतली। सार्थक सम्प्रेषण में लोक माध्यमों की भूमिका : राष्ट्रीय आन्दोलन, विकास, सामाजिक परिवर्तन और लोक माध्यम। लोक माध्यमों की प्रासंगिकता, संरक्षण, उन्नयन के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास, संचार क्रांति और लोक माध्यम।

इकाई–3 **रेडियो का संक्षिप्त परिचय –** कार्यपद्धति, इतिहास, विशेषताएँ रेडियो के कार्यक्रम, सामुदायिक रेडियो नयी सदी में एफ एम, रेडियो : टी.वी. और समाचार पत्र, रेडियो की संहिता और महत्ता।

इकाई–4 **टेलीविजन :** परिचय, आविष्कार एवं कार्यपद्धति, टेलीविजन प्रसारण, विशेषताएं, टेलीविजन के विभिन्न कार्यक्रम, सिद्धांत, संरचना। टेलीविजन हेतु अपेक्षित, क्षमताएं, उपयोगिता एवं प्रभाव : बाल हिंसा और टी.वी., टी.वी. और सर्पदंश, दूरदर्शन : मनोरंजन का हिंसात्मक स्वरूप।

इकाई–5 **भारत में नयी सूचना तकनीक –**कम्प्यूटर नेटवर्क, साइबर, स्पेस, टेलीनेट, वर्ल्ड वाइड वेब, टेली टेक्सट एवं वीडियो टैक्सट, टेलीकांफ्रेंस, गेटवे पैकेज, स्विचिंग सिद्धांत, मोडम, प्रकाशीय संचार, लेजर दूर संचार, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र नेटवर्क, इंटोनेट। इन्टरनेट : ई–मेल, ई–चैट, ई–कामर्स, ई–प्रशासन, कन्वर्जेस, डिजिटल डिवाइड। मल्टीमीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय पहल, मीडिया लैब एशिया, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम–2000, डिजिटल हस्ताक्षर, ई–लर्निंग, विद्यावाहिनी व ज्ञानवाहिनी कार्यक्रम, आम जनता के लिए सूचना प्रौद्योगिकी।

खण्ड–4 **मीडिया प्रबन्धन**

इकाई–1 **समाचार–समिति –** अर्थ एवं अवधारणा, परिभाषा, आवश्यकता, अपेक्षा, उद्भव एवं विकास, विदेशों एवं भारत में समाचार समितियों का विकास, पी0टी0आई0, यू0एन0 आई0, हिन्दुस्तान समाचार तथा समाचार भारती, समाचार, सामाचार समितियों का स्वरूप : एकल एवं बहुल समिति, गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का न्यूज पूल, सेटेलाइट और समाचार समितियां।

इकाई–2 **माध्यमों का विभिन्न विभागों का संगठन –**सम्पादकीय एवं विज्ञापन विभाग, प्रशासन, मुद्रण, इलेक्ट्रानिक मीडिया, रेडियो, टी.वी. का संगठन पक्ष : समाचार संकलन, सम्पादन, प्रस्तोता या वाचक भण्डारण, लेखा विभाग।

इकाई–3 **सरकार के मीडिया संगठन –** प्रशासन और मुद्रित माध्यम :प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो, प्रकाशन विभाग, समाचार पत्र निबन्धन विभाग, शोध एवं सन्दर्भ फोटो विभाग, प्रेस काउन्सिल आफ इण्डिया, राष्ट्रीय पुस्तकालय, शासन और फिल्म संगठन, फिल्म प्रभाग, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन विभाग, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, फिल्म समारोह निदेशालय, बाल एवं युवा फिल्म केन्द्र, शासन नियन्त्रित इलेक्ट्रानिक मीडिया : रेडियो दूरदर्शन, इलेक्ट्रानिक मीडिया की स्वायत्तता, प्रसार भारती।

इकाई–4 भारत में मीडिया व्यवसाय –प्रेस व्यवसाय : बाधाएं, व्यवसाय काल, दूरदर्शन व्यवसाय : प्रसारण व्यवसाय माडल, रेडियो व्यवसाय : आकाशवाणी की कार्य प्रणाली।

इकाई–5 शैक्षणिक मीडिया : आकाशवाणी का स्कूल प्रसारण : उद्देश्य एवं विषयों का चयन, केन्द्रीय शैक्षणिक योजना इकाई, स्कूल प्रसारण की अड़चनें, शैक्षणिक टेलीविजन : प्रारम्भ, वर्तमान में एक व्यापक स्वरूप, टी.वी. की उपयोगिता एक शैक्षणिक माध्यम के रूप में ई.टी.वी. के अनेक रूप, ई.टी.वी. एक त्रिकोण के रूप में निर्माता जहाज के एक कैप्टन की भांति, प्रस्तुतकर्ता : एक अध्यापक, शिक्षण ई.टी.वी. की बाधाएं, शैक्षणिक चैनल : इग्नू, यू.जी.सी., दूरवर्ती शिक्षा के प्रति यू.जी.सी. का उद्देश्य, इग्नू।

खण्ड–5 **पत्रकारिता का इतिहास**

इकाई–1 **हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास :** प्राचीन भारत में सूचना–व्यवस्था : भारत में मुद्रण कला, पत्रकारिता का प्रारम्भ, भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता का उद्भव और विकास, हिन्दी पत्रकारिता : काल विभाजन, उद्भव काल, प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, तिलक युगीन, गांधी युगीन पत्रकारिता, स्वातंत्रोत्तर पत्रकारिता, समाचान एवं सामयिक विषयों के पत्र, साहित्य, संस्कृति से सम्बद्ध पत्र, फिल्म और लेखा पत्रिकाएं, बाल, महिला जगत की पत्रकारिता।

इकाई–2 स्वतन्त्रता आन्दोलन और उत्तर प्रदेश की हिन्दी पत्रकारिता : स्वतन्त्रता और पत्रकारिता, अवधारणा, पत्रकारिता द्वारा स्वतंत्रता के महत्व का प्रतिपादन, काल विभाजन और अवधारणा, पत्रकारिता द्वारा स्वतंत्र के महत्व का प्रतिपादन, काल विभाजन और नामकरण, उद्‌बोधन काल : राजा राम मोहनराय के पत्रों द्वारा चेतना का संचार, भारतेन्दु मण्डल तथा स्वाधीनता आन्दोलन, स्वदेशी आन्दोलन और हिन्दी पत्र, बिहार बन्धु की हिन्दी सेवा, जागरण काल : तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियां, सावरकर : स्वतंत्रता के अक्षय स्रोत, तिलक का संदेशवाहक 'हिन्दी केसरी', स्वराज और उग्र राष्ट्रीय भावना, 'नृसिंह' और स्वराज्य की आवश्यकता, भावनात्मक एकता का नियामक 'देवनागर', : क्रांतिकाल : तत्कालीन परिस्थितियां, पत्रकार गांधी, 'प्रताप' फिरंगियों का सतत्, राष्ट्रीय ज्वाल जगाइए और कर्मवीर अपनाये, 'स्वदेश' और स्वतन्त्रता आन्दोलन, 'आज' राष्ट्रीय चेतना का पर्याय, स्वतंत्रता आन्दोलन और क्रांतिकारी, नवयुवक, पत्रकारिता पर प्रहार और गुप्त प्रकाशन, 'हंस' द्वारा संसार में जागरण।

इकाई–3 विश्व के पत्र में विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता : प्रमुख समाचार पत्र :द टाइम्स, लिमाण्ड, केरियर डेलसेरा, असाही शिम्बुन, न्यूयार्क टाइम्स, प्रावदा, डाइवेल्ट, वाशिंगटन पोस्ट, विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप, विभिन्न राष्ट्रों में प्रकाशित हिन्दी पत्र।

इकाई–4 हिन्दी में विशिष्ट पत्र एवं अनुकरणीय पत्रकार : उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दोस्थान, सरस्वती, प्रताप, कर्मवीर, आज, भूमिगत प्रेस, हिन्दी के विशिष्ट पत्रकार : युगल किशोर सुकुल, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मदन मोहन मालवीय, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखन लाल चतुर्वेदी, बाबू राव विष्णु पराड़कर।

MJMC-02

मीडिया और समाज

खण्ड –1 मीडिया के सामाजिक दायित्व

ईकाई–1 भारतीय समाज : ऐतिहासिक स्वरूप, सांस्कृतिक विकास, आर्यों का आगमन, वेदों का आगमन, जैन एवं बौद्ध धर्म का आगमन, वाह्य आक्रमण।

इकाई–2 भारतीय समाज : प्रमुख विशेषताएं, जाति प्रथा : वर्ण व्यवस्था, यजमान और पौरोहित्य की प्रथा, आदिवासी समुदाय, विषमता में एकता, लघु एवं महान परम्पराएं, भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति।

इकाई–3 मीडिया और वैश्वीकरण :अवधारणा, उद्भव, भारत में वैश्वीकरण, वैश्वीकरण का मीडिया : रेडियो, टेलीविजन, इन्टरनेट एवं मुद्रित माध्यमों पर प्रभाव, वैश्वीकरण और मीडिया साम्राज्यवाद)

इकाई–4 मीडिया और सामाजिक मुद्दे (भारतीय स्त्री आन्दोलन, मीडिया में रोजगार और सत्री

विज्ञापनों में नारी), पर्यावरण (परिचय एवं मीडिया से सम्बन्ध), उपभोक्ता (उद्भव, उपभोक्तावाद और विज्ञापन, विज्ञापनों में आत्मसंयम की संहिताएं, विज्ञापन सम्बन्धी अधिनियम), उपभोक्ता संगठनों की भूमिका, मीडिया में उपभोक्तावाद।

इकाई–5 मीडिया और मानवाधिकार : मानवाधिकार की अवधारणा, संयुक्त राष्ट्र संघ की

मानवाधिकार संबंधी घोषणा, विश्व में मानवाधिकारों की स्थिति, भारत में मानवाधिकार, मीडिया और मानवाधिकार।

खण्ड–2 जनसंचार और विकास

इकाई–1 विकास की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, अन्तर्राष्ट्रीय रूप, ग्रामीण समुदाय का विकास, विकास संचार : अर्थ, विकास और संचार, स्वरूप, सांस्कृतिक पक्ष, बाधक तत्व, सामाजिक कार्यकर्ता और विकास, विकासोन्मुख संचार क्रांति, विकास संचार प्रबन्धन : पारम्परिक माध्यम, गांवों का विकास, पर्यावरण संतुलन और विकास, विकास संचार का वर्तमान रूप।

इकाई–2 कृषि और विकास संचार : संचार के संदेश की प्रकृति, संचार प्रक्रिया में सावधानी, सम्प्रेषक की भूमिका, संदेश की स्वीकृति का दौर, कृषि और विकास संचार (आवश्यक शर्तें, कृषि विस्तार के माडल व विकास संचार)। कृषि संचार की उपलब्धियां : हरित क्रांति और सदाबहार क्रांति के सफल क्रियान्वयन में, विकास के नये द्वार व कृषि संचार, अन्य उपलब्धियां, कृषि और संचार माध्यमों की भूमिका : किसान आन्दोलन और पत्र प्रकाशन, कृषि और दूरदर्शन की भूमिका।

इकाई–3 सूचना प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास : अर्थ, भारत की ग्रामीण विकास योजनाएँ : प्रधानमंत्री ग्राम सड़क एवं ग्रामीण पेयजल योजना, केन्द्र प्रायोजित ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, इंदिरा आवास योजना, समग्र आवास योजना एवं ग्रामीण आवासों के लिए अनुदान, ग्रामीण निर्माण केन्द्र, स्वर्ण जयन्ती, ग्राम स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना, लोक कार्यक्रम एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद, प्रौद्योगिकी विकास विस्तार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम। सूचना प्रौद्योगिकी का ग्रामीण विकास से सम्बन्ध : ग्रामीण दूर संचार, सामुदायिक रेडियो, ग्रामीण पीसीओ एवं ई.पोस्ट सेवा, किसान काल सेंटर एवं किसान चैनल। सूचना प्रौद्योगिकी का ग्रामीण समाज पर प्रभाव : अर्थ व्यवस्था का विकास, सामाजिक, परिवर्तन, स्वास्थ्य सुझाव, शिक्षा का विकास, बौद्धिक समाज।

इकाई–4 अद्यतन विकास एवं संचार : विकास के बदलते परिदृश्य, आधुनिकीकरण : विशेषताएं, प्रवृत्तियां, विकास आधुनिकीकरण संचार, सामाजिक मुद्दे और संचार, विभिन्न मुद्दे : जनसंख्या नियंत्रण, स्वास्थ्य, पर्यावरण, बाल विकास, आधी दुनिया, ग्रामीण विकास एवं संचार।

खण्ड–3 अन्तर्राष्ट्रीय संचार

इकाई–1 नई विश्व संचार व्यवस्था : न्यूको के विकास में महत्वपूर्ण घटक (नामकरण, समाचार, प्रवाह का विवाद, स्वतंत्र प्रवाह का विचार)। विकसित एवं विकासशील देशों के बीच असंतुलन, नयी विश्व सूचना एवं संचार व्यवस्था की मांग : अल्जीयर्स बैठक, मैकब्राइड आयोग एवं उसकी रिपोर्ट, न्यूको का लक्षण एवं स्वरूप, न्यूको की समस्या एवं भविष्य, भारत एवं न्यूको।

इकाई–2 अन्तर्राष्ट्रीय सूचना रिपोर्ट एवं संगठन : समाचार समितियों की प्रकृति एवं कार्य पद्धति, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियां : एसोसिएटेड प्रेस रायटर्स, यूनाइटेड प्रेस इन्टरनेशनल्स, फ्रांस प्रेस समिति, टास, विसन्यूज, यू.पी.आई.टी.एन., अन्तर सरकारी समाचार समितियां, अन्तर्राष्ट्रीय प्रसारण : बी.बी.सी. वायस आफ अमेरिका, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : यूनेस्को, अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ, अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठन।

इकाई–3 सूचना प्रवाह एवं असंतुलन : विश्व एवं अन्तर्राष्ट्रीय सूचना : पश्चिमी राष्ट्र, साम्यवादी राष्ट्र, तीसरी दुनिया, शक्ति एवं सम्पत्ति की पर्याय सूचना, सूचना के स्वतंत्र प्रवाह की अवधारणा : असंतुलन की अवधारणा एवं उद्‌भव, अर्थ व्यापार एवं सूचना सहयोग पर उत्तर दक्षिण वार्ता, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध और मीडिया।

इकाई–4 नयी सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संचार : सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ, सूचना संजाल : कम्प्यूटर, इन्टरनेट, ई–मेल, टेलनेट, फाइल स्थानान्तरण, सूचना का महामार्ग : इंटरनेट चर्चा (चैट) ई–कामर्स, वर्ल्ड वाइड वेब, मल्टीमीडिया, नयी सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संचार।

इकाई–5 मीडिया की समसामयिक स्थिति : संचार विकास एवं विकासशील देशों की निर्भरता, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन : समाचार समिति 'पूल' का गठन, कार्यविधि, भारत एवं समाचार समिति 'पूल' की समस्याएं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन एवं मीडिया : सार्क देश व जन माध्यम, यूरोपीय ब्राडकास्टिंग संघ, अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार उपग्रह संगठन, यूनेस्को, अन्तर्राष्ट्रीय दूरसंचार संध। उपग्रह टी0वी0/केबिल प्रसारण और संचार, सांस्कृतिक उत्पाद : सामाजिक एवं सांस्कृतिक समस्या, वर्तमान स्थिति और अन्तर्राष्ट्रीय संचार : समाचारों का वैश्वीकरण।

खण्ड–4 इलेक्ट्रानिक मीडिया का प्रभाव क्षेत्र

इकाई–1 भारत में इलेक्ट्रानिक मीडिया : रेडियो का विकास : प्रारम्भिक चरण, आल इंडिया रेडियो, स्वातंत्रोत्तकर काल, वर्तमान स्थिति, एफ0एम0 सेवा व अन्य तकनीकी प्रगति। भारत में टेलीविजन : दूरदर्शन का चैनल नेटवर्क, अखिल भारतीय चैनल, क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल, राज्य नेटवर्क, टेलीविजन विकास क्रम और उपग्रह सेवा, भारत में केबिल/सैटेलाइट चैनलों, चैनलों की शुरुआत एवं विकास क्रम प्रसार भारती। इन्टररैक्टिव मीडिया, डी.टी.एच.।

इकाई–2 पर्यावरण एवं संचार : पर्यावरण का सामाजिक विकास का क्षरण,प्रदूषण : जल, वायु, भू–क्षरण, घरेलू अपशिष्ट व प्रदूषण, खरतनाक औद्योगिक अपशिष्ट व प्रदूषण, वन विकास व विकास संचार, जैव विविधता का ह्रास, पर्यावरण और विकास संचार, पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न कानून, पर्यावरण, संरक्षण : विभिन्न आन्दोलन।

इकाई–1 मीडिया और महिला जगत : महिला होने का अर्थ, जन माध्यमों का वैश्विक और भारतीय संदर्भ में महिलाओं की प्रस्तुति, महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक स्थिति, सांस्कृतिक चेतना और नारी, महिला अधिकार एवं मीडिया, महिलाएं एवं मानवाधिकार, भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण के कुछ कदम, मीडिया में महिलाएं : काम की स्थितियां एवं सहकर्मियों के समक्ष तुलनात्मक स्थिति, महिला उत्थान एवं मीडिया की भूमिका : सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष।

इकाई–1 जनमाध्यमों का प्रभाव : मानव सभ्यता एवं संस्कृति के अभिन्न रूप में संचार की भूमिका, जनमाध्यम के क्रियाकलाप, माध्यम उपलब्धता, अभिव्यक्ति के अधिकार का तात्पर्य, भारतीय परिदृश्य, माध्यमों का विस्तार : मनोवैज्ञानिक प्रवेश, प्रतिक्रिया सुविधा, सामुदायिक सहभागिता, मनोवैज्ञानिक, कार्यालयीय एवं विधिक सीमाएं।

खण्ड–5 प्रेस विधि

इकाई–1 भारतीय संविधान का संक्षिप्त परिचय, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्रथम चरण (अंग्रेजों का भारत आगमन सन 1600 से 1765ई.) द्वितीय चरण (ईस्ट इंडिया कम्पनी का शासन 1765 से 1858), तृतीय चरण (ब्रिटिश संसद का शासन 1858 से 1947), चतुर्थ चरण (संविधान की रचना 1947 से 1950), भारती संविधान की प्रस्तावना, भारतीय संविधान की विशेषताएं, प्रकृति एवं संघीय व्यवस्था, नागरिकता अधिकार और कर्तव्य : नागरिकता, मूल कर्तव्य, संघ शासन व्यवस्था (कार्य पालिका), व्यवस्थापिका, न्याय पालिका), राज्य

शासन–व्यवस्था, आयोग एवं अन्य संवैधानिक उपबन्ध (प्रमुख आयोग एवं परिषद, आपात उपबन्ध, अन्य उपबन्ध, संविधान संशोधन), अनुसूचियाँ।

इकाई–2 भारत में प्रेस कानूनों का संक्षिप्त इतिहास, भारत में पत्रकारिता का उद्‌भव और शासन की नीति : पत्र प्रकाशन का प्रथम प्रयास और शासकीय प्रतिक्रिया, प्रथम अंग्रेजी पत्र एवं शासन की अनुदारता, प्रारम्भिक दौर के अन्य पत्रों का सरकार से सम्बन्ध, आम आदेश 1785, सेंसरशिप अधिनियम 1799 पत्र कानून 19 वीं सदी : हेस्टिंग्स की उदार नीति, लाइसेंस 1823, मेटकाफ नियम 1835, लाइसेंस अधिनियम 1857, भारतीय दण्ड संहिता 1860, पंजीकरण अधिनियम 1867, वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878, भारतीय दण्ड संहिता में संशोधन और दण्ड प्रक्रिया संहिता का प्रवर्तन। पत्र कानून : 20 वीं सदी (स्वतंत्रता पूर्व) : भारतीय गुप्त बात अधिनियम, 1888 में संशोधन; समाचार पत्र (अपराध उद्‌दीपन) अधिनियम, 1908; भारतीय मुद्रणालय अधिनियम, 1910; शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923; भारतीय समाचार पत्र (संकट कालीन शक्तियां) अधिनियम, 1931; समाचार पत्र जांच समिति।

इकाई–3 स्वतंत्र भारत में प्रेस कानून : प्रेस से जुड़ संवैधानिक उपबन्ध (प्रेस स्वातंत्र की संवैधानिक स्थिति, संसदीय विशेषाधिकार और प्रेस), प्रेस से जुड़े कानूनी प्रावधान (न्यायालय अवमानना और प्रेस शासकीय गोपनीयता कानून और प्रेस), प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867; कापीराइट एक्ट 1957, श्रमजीवी पत्रकार कानून 1955, सूचना स्वतंत्रता अधिनियम 2002, प्रसार भारती अधिनियम।

इकाई–4 मानहानिक एवं अन्य दाण्डिक विधि, मानहानि : परिभाषा, कानून का स्पष्टीकरण, अपवाद दण्ड का प्रावधान, सिविल मानहानि के आवश्यक तत्व, वादी प्रतिवादी एवं अन्य प्रावधान, मानहानि से बचाव, प्रेस से सम्बन्धित भारतीय दण्ड संहिता, दण्ड प्रक्रिया संहिता और अन्य दाण्डिक विधि उपबन्ध : भारतीय दण्ड संहिता ओर प्रेस, दण्ड प्रक्रिया संहिता में प्रेस संगत उपबन्ध, प्रेस और दाण्डिक विधि उपबन्ध।

इकाई–5 प्रेस आयोग, प्रेस परिषद एवं आचार संहिता : प्रथम एवं द्वितीय आयोग, प्रेस परिषद, विश्व में प्रेस परिषद का उद्‌भव, विकास, स्थापना, उद्‌देश्य, कार्य, शक्तियां, कार्यविधि, आचार संहिता : अखिल भारतीय समाचार पत्र सम्पादक सम्मेलन की आचार संहिता, सम्पादकों को चार्टर, सत्रह सम्पादकों की समिति द्वारा तैयार आचार संहिता, प्रथम प्रेस आयोग के सुझाव, विश्व के अन्य देशों में आचार संहिता।

MJMC-03

समाचार–संकलन, लेखन एवं सम्पादन

खण्ड –1 समाचार संकलन

इकाई–1 समाचार : अर्थ, तत्व एवं स्रोत : समाचार का अर्थ, परिभाषा, तत्व (न्यूनता, सत्यता, सामीप्य, सुरुचिपूर्णता, वैयक्तिकता, संख्या और संशय), प्रकार (तात्कालिक, व्यापी) महत्वपूर्ण समाचार (अपराध, स्थानीय, डाक, रेडियो, टीवी) अपेक्षित और आकस्मिक समाचार, समाचार के स्रोत (समाचार समिति, प्रेस रिलीज, अन्य स्रोत), फालो–अप (अनुवर्तन)।

इकाई–2 रिपोर्टिंग : व्याख्यात्मक, अन्वेषणात्मक एवं अपराध, आमुख (इन्ट्रो), व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग (स्वरूप, विवेचन, परिभाषा, व्याख्यात्मक समाचार की संरचना, विशेषताएं सावधानियां), अन्वेषणात्मक रिपोर्टिंग (लक्ष्य, अनवेषी रिपोर्टर के गुण, अन्वेषी रिपोर्टर तथा कानून, पुलिस और समाज), अपराध रिपोर्टिंग और प्रेस, अपराध समाचार लेखन, अपराध समाचार के स्रोत।

इकाई–3 संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार : संवाददाता की योग्यता और उसके विविध रूप, विशेष संवाददाता, युद्ध संवाददाता, संवाददाता सम्मेलन (तैयारी ओर सावधानी, अनुसूची एवं प्रश्नावली), संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार में अन्तर।

इकाई–4 इलेक्ट्रानिक मीडिया में रिपोर्टिंग : रेडियो रिपोर्टिंग (ध्यान देने योग्य बातें, रेडियो रिपोर्टर के गुण एवं कार्य), टेलीविजन रिपोर्टिंग (रिपोर्टर के गुण, आवश्यक उपकरण, रिपोर्टिंग करते समय सावधानियां), हाट आन–लाइन समाचार, ई–जर्नलिज्म (इलेक्ट्रानिक अखबार, साइबर पत्रकारिता, वेबसाइट)।

इकाई–5 संपादक और संवाददाता : सम्पादक का स्वरूप, अवधारणा, सम्पादकीय विभाग का निर्देशन, परखशक्ति, दबाव, लोकपाल और सम्पादक, उप मुख्य सम्पादक और उप संपादक के गुण; संवाददाता : परिभाषा, महत्व, गुण, प्रकार, कार्य

खण्ड –2 विशेषीकृत रिपोर्टिंग

इकाई–1 अपराध और न्यायालय रिपोर्टिंग : अपराध की व्याख्या, विविध रूप, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार, वैश्यावृत्ति, दंगे, अपराध रिपोर्टिंग एवं समाचार, न्यायालय : विविध रूप, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, न्यायालय के समाचार एवं स्वरूप, न्यायालय रिपोर्टिंग में सावधानियां।

इकाई–2 संसदीय रिपोर्टिंग, संसद का महत्व और उसकी रूपरेखा, संसदीय रिपोर्टिंग और उसकी सावधानियां, संसदीय कार्यवाही (प्रश्नोत्तर) : प्रश्नकाल, शून्य काल, तारांकित प्रश्न, अल्प सूचना के प्रश्न और तारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, संसदीय कार्यवाही (विधायी) : विधेयकों पर विचार, कार्य स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विशेष चर्चा, मत विभाजन, बजट एवं संसदीय समितियां, संसद के अन्य कार्य : संयुक्त अधिवेशन, अनुच्छेद 377 के तहत उठाये जाने वाले मुद्दे, प्रेस दीर्घा, व्यवहार सूत्र, लेखन शैली की विशिष्टता।

इकाई–3 खेल रिपोर्टिंग, इतिहास खेलों और खेल समाचारों के प्रकार; क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, अन्य खेल, खेल समाचारों की रिपोर्टिंग एवं जानकारियां, स्थानीय खेल, खेल समाचारों की भाषा, शब्दावली एवं शीर्षक, विशेषज्ञता की आवश्यकता प्रमुख, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं एवं कुछ खेल समाचार।

इकाई–4 कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि जगत, कृषि का स्वरूप, कृषि पत्रकारिता का उद्भव विकास, ग्रामीण जीवन और कृषि पत्रकारिता, कृषि सम्बन्धित रिपोर्टिंग; विज्ञान : अवधारणा, विज्ञान की मात्रा, जीवन में वैज्ञानिक चेतना, विज्ञान पत्रकारिता; प्रौद्योगिकी : स्वरूप, विकास प्रकार जन जीवन को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकी।

इकाई–5 आर्थिक, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक पत्रकारिता : भारत में आर्थिक, पत्रों की शुरुआत, विकसित और विकासशील देशों में आर्थिक पत्र, आर्थिक समाचारों के प्रकार, भारत में वाणिज्यिक पत्रकारिता; प्रकार

उपयोगिता, सावधानी, भविष्य, औद्योगिक पत्रकारिता, प्रतिष्ठित : प्रतिष्ठित पत्रिकाएं, आन्तरिक जनसम्पर्क पत्रिकाएं, वाह्य जनसंपर्क एवं संयुक्त जनसम्पर्क पत्रिकाएं।

खण्ड–3 जनमाध्यमों के लिए लेखन

इकाई–1 समाचार लेखन के मूल तत्व, स्वरूप चयन के आधार : जनाकर्षण, जनरुचि, तथ्यों की पवित्रता, लीड; समाचारों की प्रस्तुति, आमुख, भाषा शैली; शीर्षक लेखन; संरचना, इलेक्ट्रानिक माध्यम में शीर्षक, समाचार कार्यालय की कार्यप्रणाली, बाक्स तथा इनसेट।

इकाई–2 फीचर की परिभाषा, प्रमुख तत्व, फीचर और समाचार, फीचर और निबन्ध, फीचर और कहानी, फीचर के प्रकार : मानव रुचि आधारित, व्यक्तित्व परक, वैज्ञानिक, पर्यटन, ऐतिहासिक व्यंग्यात्मक, चित्रात्मक, सांस्कृतिक एवं त्योहारों पर आधारित, समाचार फीचर, फीचर लेखन की कला, विशेषता, प्रभावोत्पादकता, फीचर लेखन की योग्यताएं, फीचर सामग्री का चयन।

इकाई–3 सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, सम्पादकीय पृष्ठ की संरचना, संपादकीय/अग्रलेख, सम्पादकीय टिप्पणियां/सामयिक लेख, सम्पादक के नाम पत्र, व्यंग–विनोदात्मक स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ का लेखन, सम्पादन, महत्व एवं प्रभाव।

इकाई–4 स्वतत्र पत्रकारिता और पत्रकारिता लेखन : स्वतंत्र लेखन : क्षेत्र, विधाएं, विशेषताएं उपयोगिता, कठिनाइयां, विशिष्टता, फीचर समितियां, सफल स्वतंत्र लेखन; पत्रिका लेखन; भाषाशैली एवं प्रस्तुति, पत्रिका में फीचर का प्रस्तुतीकरण।

खण्ड –4 रेडियो एवं टीवी के लिए लेखन

इकाई–1 रेडियो समाचार, समाचार सेवा, कक्ष, रेडियो समाचार बुलेटिन के प्रकार : विशेष समाचार कार्यक्रम, विशेषताएं, समाचार प्रस्तुतिकरण : चयन, समाचार का गठन और शीर्षक निर्धारण, शैली, भाषा, संक्षिप्त नामों का प्रयोग, पद और नाम का प्रयोग, रेडियो समाचार का संकलन और सम्पादन, समाचार वाचन, समाचारों का महत्व।

इकाई–2 रेडियो के विविध कार्यक्रम, रेडियो जनसंचार का सशक्त सूचनात्मक, शैक्षणिक, मनोरंजक माध्यम, रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम : संगीत, विविध भारतीय या विज्ञापन सेवा, वार्ता तथा परिचर्चा, नाटक, रूपक, ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम, महिला, बाल एवं युवा, शिक्षा, खेल और विशेष, कार्यक्रम, समाचार एवं समसामयिक विश्व पर आधारित सेवाएं, विदेश सेवाएं, रेडियो के (प्राथमिक, राष्ट्रीय, विविध भारती, एफ.एम.,विदेश प्रसारण), चैनल, रेडियो के ध्वनि अभिलेखागार।

इकाई–3 टी.वी. चैनल्स : व्यापकता, आरम्भ, दूरदर्शन के चैनल्स, निजी नेटवर्कों के चैनल, कुछ प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, जी नेटवर्क, स्टार समूह, सोनी समूह, टी.वी.टुडे समूह, इनाड समूह, चैनलों की प्रसारण व्यवस्था : सैटेलाइट टीवी, केबल, डी.टी.एच प्रसारण, चैनलों की लोकप्रियता, लाभ : वैविध्य पूर्ण मनोरंजन, विशेषीकृत चैनलों की उपलब्धता, सही वह सत्यापित सूचनाओं की प्राप्ति; चैनलों की हानि पक्ष, नयी प्रसारण नीति और भारतीय प्रसारण व्यवस्था।

इकाई–4 टेलीविजन प्रोजक्शन, स्टूडियो प्रोडक्शन टीम, टेलीविजन प्रोडक्शन (तैयारी, प्रोडक्शन, सम्पादन) टीम के सदस्य और उनके कार्य, आधारभूत बातें, आडियो, माइक्रो फोन के प्रकार, उत्कृष्ट परिणाम के लिए स्टूडियो सेटअप, स्टूडियो की आन्तरिक प्रकाश व्यवस्था, कमाण्ड और क्यू, फिल्म : संचार के माध्यम : फिल्म गतिशील विचारों का चित्र संसार, फिल्म संसार को पार कर लेना है।

इकाई–5 फोटो एवं फिल्म, स्वतंत्र एवं समाचार फोटोग्राफी, फोटो पत्रकार, उनकी चुनौतियां, फोटो सम्पादन, संपादक; फिल्म चमत्कारी जनमाध्यम (फीचर फिल्म, वृत्त चित्र, न्यूजरील, अन्य फिल्में), भारत में फिल्में, भारतीय फिल्मों का इतिहास, मुख्यधारा, समानान्तर एवं क्षेत्रीय फिल्में, फिल्म पत्रकारिता : विषय क्षेत्र, विधाएं, फिल्म पत्रकार के लिए अपेक्षित योग्यताएं फिल्म समीक्षा।

खण्ड–5 सम्पादन

इकाई–1 सम्पादन के सिद्धांत, परिभाषा, आवश्यकता, समाचार कक्ष, सम्पादकीय कक्ष का गठन, समाचार चयन एवं निर्धारण, सम्पादन, शीर्षक, मुख्य उपसम्पादक, कापी एडीटर के गुण, कार्य, समाचार कक्ष में संदर्भ सामग्री, सम्पादन के संकेत और उनके चिन्ह।

इकाई–2 फोटो सम्पादन – नियोजित एवं स्वतंत्र फोटो पत्रकार, फोटो पत्रकारिता : मानवीय एवं तकनीकी दृष्टि, फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां : खोजी पत्रकारिता एवं फोटोग्राफी, स्वतंत्र फोटोग्राफी और समाचार, रेखाचित्र और फोटोग्राफ, फोटोफीचर, फोटो सम्पादन प्रक्रिया : फोटो क्रॉपिंग, कैप्शन, प्रकाशकीय निर्देश, फोटो सम्पादन और कम्प्यूटर, फोटो सम्पादन की विशिष्टता, फोटोग्राफों का प्रेषण, समाचार फोटो एजेन्सी, फोटो लाइब्रेरी।

इकाई–3 इलेक्ट्रानिक सम्पादन : परिचय, उद्देश्य, घटक, प्रकार (ऑनलाइन तथा ऑफलाइन सम्पादन, स्ट्रेट कट एडिट, एसेम्बल और इन्सर्ट सम्पादन, ए.बी. रोल नान लीनियर सम्पादन), इलेक्ट्रानिक सम्पादन कला, सम्पादन की समग्र रणनीति ग्रिफिथ का सम्पादन सूत्र।

इकाई–4 मुद्रण एवं पृष्ठ साजसज्जा–मुद्रण तकनीक : कम्पोजिंग टाइपसेटिंग, हाथ द्वारा कम्पोजिंग, मशीन द्वारा कम्पोजिंग (लाइनोटाइप, मोनोटाइप, फोटोटाइप, लेजर टाइप सेटिंग, ब्लाक), आधुनिक मुद्रण, पृष्ठ साज–सज्जा (स्वरूप, प्रथम पृष्ठ का डिजाइन, फोकस प्रधान पृष्ठ निर्माण, सर्क सनुमा पृष्ठ निर्माण, विरोधाभास पृष्ठ निर्माण, संतुलित पृष्ठ निर्माण), साम्प्रतिक पृष्ठ निर्माण (पृष्ठ निर्माण में आधुनिकता, आधुनिक टाइप, चित्रों का प्रयोग।

इकाई–5 अनुवाद और भाषा दक्षता : अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, सिद्धांत, संक्षिप्त इतिहास, महत्व; भाषा दक्षता : सूचना जगत और हिन्दी, विज्ञापन और हिंग्रेजी, जनमाध्यम और हिन्दी, भाषा में विसंगति, वर्तनी की समस्या।

MJMC-04

जनसम्पर्क एवं विज्ञापन-I

खण्ड–1 जनसम्पर्क का स्वरूप–विवेचन

इकाई–1 जनसंपर्क की परिभषा, प्रक्रिया की उपयोगिता : प्रकृति, तत्व, आयाम, कार्य, कार्य क्षेत्र, प्रबन्धन, जनसम्पर्क की प्रक्रिया एवं समप्रेषण की भूमिका।

इकाई–2 जनसम्पर्क, जनमत, प्रचार एवं विज्ञापन : जनसम्पर्क के आयाम, जनसम्पर्क के अर्न्त सम्बन्ध, जनमत निर्माण : सिद्धांत, साधन, उद्देश्य, प्रभावोत्पादकता, जनसम्पर्क और शोध।

इकाई–3 जनसम्पर्क अधिकारी : महत्ता अर्हता : अध्यवसायी, विश्वसनीयता, प्रशासन की रीति–नीति का मर्मज्ञ, जनव्यवहार का विश्लेषक, लोकमत–निर्माता बहिर्मुखी व्यक्तित्व, मृदुभाषी एवं सहनशील, स्व–पक्ष का हितैषी, आतिथ्य सत्कार, प्रत्युत्पन्न मति वाला सच्चा मित्र, अभिव्यक्ति कौशल; जनसम्पर्क अधिकारी के क्रिया कलाप : समस्या की समझ, सदेश रचना, संदेश प्रसार, प्रचार उपकरणों का उपयोग, मूल्यांकन; जनसंपर्क अधिकारी के कार्य एवं उत्तर दायित्व, जनमत का दिग्दर्शन

इकाई–4 कैरियर के रूप में जनसंपर्क : बदलता स्वरूप, व्यावसायिक अभिलक्षण, जनसंपर्क में कैरियर : औद्योगिक क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों में, केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय स्तर पर, चिकित्सा क्षेत्र में, महिलाओं के कैरियर के रूप में, केन्द्र सरकार के विभिन्न जनसंपर्क विभाग।

इकाई–5 विकास के सन्दर्भ में जनसम्पर्क : परिवर्तन का कारण, पर्यावरण का मूल्यांकन, पारस्परिक अन्तक्रिया में जनसंपर्क, विकास नियोजन और जनसहभागिता में जनसंपर्क, प्रचार योजना : एकीकृत एवं पंचवर्षीय प्रचार योजना, विकासात्मक जनसंपर्क का अभ्युदय : एकीकृत एवं पंचवर्षीय प्रचार योजना, विकासात्मक जनसम्पर्क का अभ्युदय : एकीकृत ग्राम्य विकास एवं जनसम्पर्क, अभिप्रेरणा, अन्तर्राष्ट्रीय जनसंपर्क।

खण्ड–2 जनसंपर्क अभियान

इकाई–1 जनसंपर्क : व्यवसाय या लोक विज्ञापन, दर्शन एवं रूप रेखा (सामाजिक दर्शन, लोकहित की अवधारणा), व्यवसाय के मूल तत्व, न्यूनतम वांछित योग्यता, लेखन, सम्पादन, प्रस्तुतिकरण, सम्बन्ध विस्तार, भाषण, उत्पादन या निर्माण, योजना निर्माण, विज्ञापन सभा सम्मेलन, अभिमत अध्ययन, निश्चित कार्यपद्धति, आजीविका का साधन, निर्धारित (व्यावसायिक, व्यक्तिगत) आचार संहिता, जनसम्पर्क : व्यावसायिक स्वरूप (परामर्श सेवा, सक्रिय सेवा), संगठन (व्यावसायिक संस्थान, निजी जनसंपर्क–प्रकोष्ठ)।

इकाई–2 सरकारें और जनसंपर्क : जनमत और सरकार, सूचना जनसम्पर्क का लक्ष्य, भारत सरकार और जनसंपर्क संगठन : प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो, आकाशवाणी, दूरदर्शन, फिल्म प्रभाग, गीत और नाटक प्रभाग, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, राज्यों में जनसंपर्क–संगठन और कार्य।

इकाई–3 गृह–पत्रिका : स्वरूप निर्धारण, अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र–विस्तार, प्रकार, गृह पत्रिका के लक्ष्य, सम्पादन कला : आकार, आकृत्ति भाषा, विज्ञापन, पंजीकरण, फारमेट, विकास यात्रा, विश्व और भारत में स्थिति।

इकाई–4 प्रेस तथा जनसम्पर्क : राष्ट्रीय पत्र अंचलों की डगर पर (रेडियो, दूरदर्शन समाचार, समाचार पत्र), जनसम्पर्क कर्ता एवं प्रेस (प्रेस सम्पर्क के आधार, प्रेस अधिकारी, प्रेस कक्ष) जनसम्पर्क की प्रेस सामग्री (प्रेस नोट, प्रेस विज्ञप्ति का नमूना),प्रेस सम्मेलन (प्रेस सम्मेलन की तैयारी), विशेष प्रेस विवरण, प्रेस सुविधाएं, विशेष भेंट वार्ता), प्रेस समाचार : अध्ययन एवं विश्लेषण, सम्पादक के नाम पत्र।

इकाई–5 जनसम्पर्क अभियान : आवश्यकता, व्यवस्था एवं अभियान : लेखन, सम्पादक, वर्गीकरण, प्रोत्साहन, भाषण, प्रस्तुतीकरण, कार्यक्रम निर्धारण, संस्था का विज्ञापन, जनसम्पर्क अभियान का महत्व : जनमत निर्माण पारस्परिक समन्वय, संस्थान का छवि निर्माण, समूह मनोविज्ञान सम्पन्न कार्य संचालन, निजी संस्थानों में जनसंपर्क अभियान : श्रम कल्याण, कार्मिक, संस्थापन, प्रतिक्रिया का संकलन।

खण्ड–3 जनसम्पर्क का उद्भव और विकास

इकाई–1 विदेशों में जनसम्पर्क का उद्‌भव : उत्पत्ति (प्रारम्भिक समाज एवं नूतन काल में जनसम्पर्क, जनसम्पर्क के उत्थान कारक तथ्य), अमरीका में जनसम्पर्क (परिवर्तन काल, प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जनसम्पर्क, विश्वव्यापी आर्थिक दबाब : सामाजिक दायित्व की अवधारणा, द्वितीय विश्वयुद्ध एवं जनसम्पर्क), प्राचीन भारत में जनसम्पर्क, लोकोपकारी, स्थिति, स्वेच्छानुरूप जनसम्पर्क : भारतीय रेल, प्रथम विश्वयुद्व : भारत सरकार का सूचना एवं प्रसार विभाग।

इकाई–2 भारत में जनसम्पर्क का विकास : राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वातंत्रोत्तर काल में जनसम्पर्क का विकास, भारत में औद्योगिक विकास एवं जनसम्पर्क, सार्वजनिक क्षेत्रों में जनसम्पर्क इकाई की आवश्यकता, प्रेस एवं सरकारी माध्यमों का विकास, जनसम्पर्क और व्यवसायवाद, जनसम्पर्क शिक्षण–प्रशिक्षण, भारत में जनसम्पर्क व्यवहार।

इकाई–3 व्यावसायिक जनसम्पर्क संगठन : प्रारंभिक परिवेश, भारतीय जनसम्पर्क सोसाइटी : प्रमुख उद्‌देश्य, सदस्यता, भारतीय जनसम्पर्क सोसाइटी संगठन, आचार संहिता, पी.आर.एस.आई. सम्मेलन, जनसम्पर्क शिक्षा; अन्तर्राष्ट्रीय जनसम्पर्क संघ (IPRA) : भारत में जनसम्पर्क का विश्वस्तरीय सम्मेलन, आई.पी.आर.ए. जनसम्पर्क शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए भारतीय पीठ, जनसम्पर्क संघों का भारतीय बाजार पर प्रभाव।

इकाई–4 जनसम्पर्क : प्रशिक्षण एवं अनुसंधान : जनसम्पर्क प्रशिक्षण की स्थिति, शैक्षणिक संस्थान, भारत में जनसम्पर्क शिक्षा की स्थिति : आधारभूत सुविधाएं एवं प्रशिक्षित प्राध्यापक, उपयोगी पुस्तकें, साहित्य अवसर, प्रशिक्षण प्राध्यापकों एवं व्यावसायिकों को मध्य समन्वय, संस्थाओं के मध्य समन्वय, प्रभावपूर्ण जनसम्पर्क शिक्षा की ओर, जनसम्पर्क शिक्षा एवं प्रशिक्षण, जनसम्पर्क प्रशिक्षण, जनसम्पर्क शिक्षा एवं प्रशिक्षण सुविधाओं में सुधार की संभावनाएं, जन सम्पर्क अनुसंधान : उद्‌देश्य एवं प्रकार, जनसम्पर्क शोध की विभिन्न तकनीकें।

इकाई–5 जनसम्पर्क की प्रवृत्ति, बदलता परिवेश, वर्तमान प्रवृत्ति, एक नये व्यावसायिक के रूप में उभरता जनसम्पर्क अधिकारी, कूटनीति होता जनसम्पर्क :संगठन के भीतर संवाद, प्रेस सम्बन्ध, सरकारी, वित्तीय एवं औद्योगिक संबंध, मानव संसाधन विकास एवं संकट प्रबंधन, जनसम्पर्क एवं उपभोक्तावाद, जवाबदेही : एक प्रधान कारक, अनुसंधान एवं मूल्यांकन, नवीन युक्तियुक्त शस्त्र एवं साधन।

खण्ड –4 विज्ञापन : प्रविधि एवं आयाम

इकाई–1 विज्ञापन : अर्थ, प्रकार, लक्ष्य : परिमाप (पाश्चात्य एवं भारतीय विद्वान), उद्‌देश्य परिचय कराना, ध्यानाकर्षित कराना, रुचि उत्पन्न करना, विश्वास उत्पन्न करना, स्मृति को प्रभावित करना, क्रय की इच्छा उत्पन्न करना, ब्राण्ड की आवश्यकता को जगाना, विक्रय वृद्धि करना, छवि निर्माण करना; विज्ञापन के प्रकार : डिस्प्ले या सजावटी, वर्गीकृत, पैनेल, आकाशवाणी से प्रसारित, टी.वी. पर प्रसारित, स्थानीय, राष्ट्रीय एवं कानून संबंधी विज्ञापन; विज्ञापन के विशेषीकृत लक्ष्य, उपयोगिता, महत्व।

इकाई–2 विज्ञापन के विविध आयाम : विकास, विज्ञापन संगठन एवं विज्ञापन, विज्ञापन के भेद : तार्किक विज्ञापन, विविध आयाम : प्रतिष्ठा, संस्थागत, राष्ट्रहित, जनकल्याणपरक, चेतावनीपरक, विज्ञापन, तुलनात्मक विज्ञापन, अन्य प्रकार, कानून सम्बन्धी विज्ञापन, प्रचार माध्यम और विज्ञापन, विज्ञान के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक आर्थिक व व्यावसायिक कार्य, विज्ञापन की आवश्यकता।

इकाई–3 विज्ञापन के विविध माध्यम : वर्गीकरण (सामान्य उपभोक्ताओं के लिए, विशिष्ट वर्ग के लिए, लोकहित एवं लोकसेवा के लिए), माध्यमः चयन, टी.वी., रेडियो, समाचार पत्र और पत्रिकाएं, पोस्टर होर्डिंग आदि, फिल्म एवं स्लाइडें, प्रदर्शनियां, डाक द्वारा प्रत्यक्ष विज्ञापन, उपसंहार संबंधी, मोटर वाहनों पर ध्वनि प्रसारण यन्त्रों द्वारा विज्ञापन, हैण्ड बिल्स का वितरण, नियोन साइन, वाह्य विज्ञापन, विज्ञापन के प्रभाव का मूल्यांकन : एक व्यावसायिक सेवा, मुफ्त वितरण द्वारा विज्ञापन।

इकाई–4 विज्ञापन कॉपी की प्रस्तुति, कॉपी लेखन, विज्ञापन के प्रमुख अंग : चित्र रंग, शीर्षक विषयवस्तु, व्यवसाय नाम, नारा (स्लोगन), विन्यास कला; विज्ञापन के वाह्य अंग : स्थिति, आकार, समय, पुनरावृत्ति; ले–आउट (संयोजन), डिजाइनिंग, विज्ञापन की लेखन कला : शीर्षक, उपशीर्षक, विस्तार वर्णन, उपसंहार, विज्ञापन कापी के लिए अनिवार्यताएं।

इकाई–5 विज्ञापन की भाषा : संसार की भाषा : एक सशक्त माध्यम, भाषा का रूप : लिखित, मौखिक एवं मौखिक–लिखित भाषा; भाषा की संरचना :विज्ञापन का क्षेत्र, प्रकार, शैली; विशेषताएं, आकर्षण क्षमता, स्मरणीयता, पठनीयता, प्रभावोत्पादकता, विक्रयशीलता, विश्वसनीयता, स्वच्छन्दता, नियम निर्बन्धता,

परम्परामुक्ति, अति प्रयोजनपरकता, जीवन्तता; संरचनात्मक स्वरूप : साधारण वाक्य, मिश्र, संयुक्त, उप, विशेषण उपवाक्य, क्रिया विशेषण उपवाक्य, क्रियाविहीन वाक्य संरचना, विज्ञापन की पदबन्ध संरचना, रचना` भेद, भाषा में काव्यात्मकता।

खण्ड –5 विज्ञापन के सिद्धांत एवं स्वरूप

इकाई–1 विज्ञापनों का विकास : प्राचीन भारत में विज्ञापन विश्व में विज्ञापन का आरम्भिक रूप, मुद्रण कला और विज्ञापन; भारत में पत्रों के विज्ञापक : बंगला गजट और विज्ञापन, विज्ञापनों के कुछ रोचक कालम, बीसवीं शताब्दी में विज्ञापन, फिल्म विज्ञापन, विज्ञापन एजेंसी की स्थापना, विज्ञापनों का वर्तमान रूप :इलेक्ट्रानिक मीडिया में आधुनिक विज्ञापन, अंग्रेजी शासित विज्ञापन, विज्ञापन शासित मीडिया, विज्ञापन की नयी प्रवृत्तियां, विज्ञापन का भविष्य।

इकाई–2 विज्ञापन एजेंसी एवं नारी : विज्ञापन कार्य की आर्थिक, सामाजिक एवं कल्पगत उपयोगिता, एजेंसी का संगठन एवं प्रमुख एजेंसियां, एजेंसियों के अर्थ : विज्ञापनदाता से सम्पर्क और उद्देश्य का स्पष्टीकरण, तैयारी, संदेश, डिजाइन ले–आउट, माध्यमों का चयन, वितरण, हिसाब–किताब, प्रभाव का अध्ययन, भारत की प्रमुख विज्ञापन एजेंसियां; विज्ञापन में नारी : नारी की आकृति से विज्ञापन अधिक आकर्षक, दूरदर्शन और नारी, सर्ग आकृति का सर्वाधिक प्रयोग, सामाजिक कुरीतियों को बढ़ावा; अश्लील विज्ञापन और आन्दोलन : स्त्रियों की सामाजिक दशा, अश्लील चित्रण बिल–1986।

इकाई–3 विज्ञापन बजट एवं बाजार अनुसन्धान : बजट निर्माण : पूर्व विक्रय का आधार, पूर्वानुमान, विक्रम–इकाई, विषय वस्तु, प्रतिस्पर्धा, शुद्ध लाभ का आधार, निवेश विधि, सुरक्षा कोष; बाजार सर्वेक्षण (अनुसन्धान) :परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र, उद्देश्य, प्रकार : बाजार अनुसंधान की पद्धति : समस्या का परिभाषित करना, स्थिति विश्लेषण करना, अनौपचारिक जांच करना, अनुसंधान डिजाइन (योजना) तैयार करना, तथ्य संकलन, सारणीयन एवं विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करना; बाजार अनुसंधान की सीमाएँ उपयोगिता, बाजार अनुसन्धान एवं विपणन अनुसंधान में अन्तर।

इकाई–4 विज्ञापन : नीति, अधिनियम एवं आचार संहिता, थोड़ी सच्चाई के साथ ज्यादा फरेब, नीतिशास्त्र : विज्ञापन : विकास का सोपान, विज्ञापन में नैतिकता, विज्ञापन से सम्बन्धित अधिनियम : व्यापार एवं व्यापारिक माल चिन्ह, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, औषधि और प्रशाधन सामग्री, स्त्री अशिष्टरुपण, बाट एवं माप मानक, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, चिन्ह एवं नाम (अनुपयुक्त प्रयोग पर रोक); विज्ञापन सम्बन्धी आचार संहिता : आवश्यकता, सम्प्रेषणीयता, दूरदर्शन एवं रेडियो हेतु आचार संहिता, फिल्म एवं मुद्रित माध्यमों हेतु आधार संहिता, ए.एस.सी. की आचार संहिता।

****

MJMC-06

विश्व–संचार : अवधारणा एवं आयाम

इकाई–1 विश्व में मुद्रण कला का विकास :– विश्व में मुद्रण का विकास : (मुद्रण का प्रारम्भिक स्वस्थ, चीन में मुद्रण की शुरूआत), भारत में मुद्रण कला का विकासः (भारत की प्राचीन मुद्रण पद्धति, टाइप मुद्रण का प्रारम्भिक रूप, टाइप के नमूने, प्वाइंट, प्वाइंट के लाभ); टाइप विन्यास एवम् मुद्रण कला, विश्व के आधुनिक मुद्रण प्रौद्योगिकी भारत में मुद्रण प्रौद्योगिकी का विकास : (आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी, चित्र डिजिटल कैमरा)।

इकाई–2 विश्व में समाचार पत्रों का विकास : आधुनिक पत्रकारिता एवम् समाचार पत्रों का विकासः (भारत में आधुनिक पत्रकारिता का प्रारम्भ, स्वातन्त्रोत्तर भारत में पत्रकारिता का विकास 1948 के बाद, विश्व के पत्र एवम् उनकी प्रवृत्तियाँ), विश्व के प्रमुख समाचार पत्र : द टाइम्स, लभांद, कोरियरे डेलासेरा, असाही शिम्बुन, न्यूयार्क टाइम्स, प्रावदा, डाइवैल्ट, वाशिंगटन पोस्ट, विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता), पत्रों की स्वतंत्रता एवं प्रेस परिषद, एशिया के प्रमुख देशों में पत्रकारिता का विकासः (पाकिस्तान की हिन्दी पत्रकारिता, बंगला देश की हिन्दी पत्रकारिता, नेपाल श्रीलंका, जापान, चीन की पत्रकारिता) अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, उत्तरी अमेरिका की पत्रकारिता।

इकाई–3 विश्व में समाचार समितियों का विकास : समाचार समितियों की आवश्यकता, अपेक्षायें, उद्‌भव, महत्व विकास : (रयटर, ए.पी.यू.पी.आई. साम्यवादी देशों की समितियाँ जापान की क्योडो, फ्रांस प्रेस समिति (ए.एफ.पी.), इतरवास), विकाशील देशों की समितियाँ , भारत में समाचार समितियों का विकास, स्वतंत्र भारत में समाचार समितियाँ), प्रथम प्रेस आयोग और समाचार समितियाँ, प्रेस आयोग और समचार समितियाँ।

इकाई–4 नई सूचना एवं विश्व संचार व्यवस्था – नई सूचना व्यवस्था, नई सूचना की आवधारणा , वर्तमान सूचना माध्यम, कम्प्यूटर साइबर सूचना असंतुलन, नई सूचना व्यवस्था तथा सूचना का अधिकार, सूचना आयोग की गतिविधि) नई संचार व्यवस्था : (विश्व की नई स्वरूप समिति की गतिविधि न्यूको को के पाँच कारक, भारत में न्यूको) संचार का लोकतांत्रिक स्वरूप, अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था।

इकाई–5 सार्क देशों में जनसंचार व्यवस्था – सार्क देशों का परिचय : (सार्क के सिद्धान्त, सार्क द्वारा घोषित वर्ष), सार्क देशों में जन संचार की व्यवस्था : आधुनिक जनसंचार और विकास, जनसंचार के विविध माध्यम, सार्क देश व विकसित देशों में जनसंचार माध्यमों में अन्तर) जनसंचार और सार्क देशों का सामाजिक विकास, सार्क देशों के विकास में आधुनिक जनसंचार का योगदान।

इकाई–6 संस्कृति : अर्थ अवधारणा एवं प्रक्रिया – संस्कृति : (अर्थ, शब्द की व्युत्पति, परिभाषा), संस्कृति की विशेषताएँ, अंग, महत्व, सभ्यता : (सभ्यता का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, संस्कृति में अन्तर), परम्परा और संस्कृति सस्कृति की प्रक्रिया।

इकाई–7 विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का परिचय – विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का आधार, पाश्चात्य संस्कृति : (पाश्चात्य संस्कृति का आधार विशेषताएँ, प्रभाव), ग्रीक संस्कृति : (ग्रीक संस्कृति का आधार, विशेषताएँ, प्रभाव), अरब संस्कृति : (अरब संस्कृति का आधार, विशेषताएँ प्रभाव), बौद्ध संस्कृति का आधार : बौद्ध संस्कृति की उत्पत्ति, विशेषातएँ प्रभाव), चीन की संस्कृति : (ताओ संस्कृति, कन्फ्यूसियस संस्कृति चीनी संस्कृति का प्रभाव)।

इकाई–8 संस्कृत की पूर्वी एवं पश्चिमी अवधारणा– संस्कृति की पूर्वी अवधारणाः (भारतीय संस्कृति और इसकी विशेषताएँ, भारतीय संस्कृति के प्रमुख प्रचलित विचार अद्वैतवाद, विशिष्ट, द्वैतवाद, द्वैताद्वैत, शुद्धा द्वैत एवं द्वैत वाद) संस्कृति की पश्चिमी, अवधारणा : (पाश्चात्य संस्कृति और इसकी विशेषताएँ, पाश्चात्य संस्कृति के प्रमुख प्रचलित विचार : आदर्शवाद, व्यक्तिवाद, अराजकतावाद, उपभोक्तावाद) वैश्वीकरण : के प्रति पूर्वी संस्कृति का दृष्टिकोण, वैश्वीकरण के प्रति पाश्चात्य संस्कृति का दृष्टिकोण।

इकाई–9 सांस्कृतिक संचार के संवाहक – भाषा एवं व्याकरण : सांस्कृतिक संचार,

सांस्कृतिक संचार की संवाहक भाषा : भाषा का अर्थ, परिभाषा, तत्व, विशेषता), भाषा विकास के चरण, सांस्कृतिक संचार और व्याकरण : (व्याकरण का प्रयोग, वाक्य निर्माण, भाषा में परिवर्तन और व्याकरण सांस्कृतिक संचार में भाषा एवं व्याकरण का महत्व।

इकाई– 10 राजनीतिक अवधारणा एवं संस्कृति – (पूंजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद :
राजीनतिक अवधारणा का विकास, पूंजीवाद : (पूंजीवाद का अर्थ, विशेषताएँ, तत्व मूल्यांकन) समाजवाद : (अर्थ, परिभाषा, तत्व मूल्यांकन) साम्यवाद : (साम्यवाद की परिभाषा, विशेषताएं, तत्व, मूल्यांकन) विभिन्न राजनीतिक अवधारणाओं का मूल्यांकन : (पूंजीवाद का मूल्यांकन समाजवाद का मूल्यांकन, साम्यवाद का मूल्यांकन) राजनीतिक अवधारणा एवं संस्कृति।

इकाई–11 अन्तर सांस्कृतिक संचार – अर्थ एवं प्रक्रिया – संचार एवं अन्तर सांस्कृतिक
संचार , अन्तर सांस्कृतिक संचार, अन्तर सांस्कृतिक संचार का अर्थ, प्रक्रिया, सिद्धान्त : (मानव सिद्धान्त, लोकप्रिय सांस्कृतिक दृष्टिकोण, निर्भरता, सिद्धान्त अन्य सिद्धान्त) अन्तर सांस्कृतिक संचार और जन माध्यम : (पारस्परिक माध्यम मुद्रित माध्यम, आधुनिक माध्यम) अन्तर सांस्कृतिक संचार और लोक संस्कृतिक।

इकाई–12 विश्व में अन्तर सांस्कृतिक संचार का इतिहास : अन्तर सांस्कृतिक संचार का
आरम्भ प्राचीन काल में अनतर सांस्कृतिक संचार, मध्यकाल में अन्तर सांस्कृतिक संचार, औपनिवेशिक काल में अन्तर सांस्कृतिक संचार के संवाहक प्रमुख देशः पुर्तगाल, फ्रान्स, ब्रिटेन और अन्तर सांस्कृतिक संचार) आधुनिक काल में अन्तर सांस्कृतिक संचार, अन्तर सांस्कृतिक संचार की महत्वपूर्ण घटनाएं

इकाई–13 अन्तर सांस्कृतिक संचार को प्रभावित करने वाले कारक (धार्मिक राजनैतिक, आर्थिक) :– अन्तर सांस्कृतिक संचार को प्रभावित करने वाले कारक, धार्मिक प्रभाव :
(विभिन्न धर्मों के धर्माचार्य, धार्मिक संगठन, धार्मिक कटटरता एवं सहिष्णुता) अन्तर सांस्कृतिक संचार पर राजनैतिक प्रभावः (राजनीतिक संस्थाएं, अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक व्यवस्थापन, राजनीतिक दल) अन्तर सांस्कृतिक संचार पर आर्थिक प्रभाव : (औद्योगीकरण, प्रौद्योगिकी एवं संचार तकनीक का विकास, वैश्वीकरण)।

इकाई–14 विश्व में अन्तर, सांस्कृतिक संचार की वर्तमान स्थिति – वर्तमान विश्व में अन्तर
सांस्कृतिक संचार, आर्थिक साम्राज्यवाद और अन्तर सांस्कृतिक साम्राज्यवाद और अन्तर सांस्कृतिक संचार अन्तर सांस्कृतिक संवादहीनता का दुष्प्रभाव : (अन्तर सांस्कृतिक विवाद, परम्पारिक सांस्कृतिक मूल्यों में गिरावट, पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव, आतंकवाद का क्षेत्र विस्तार) वर्तमान विश्व में अन्तर सांस्कृतिक संचार को प्रोत्साहित करने वाली संस्थाएंः (संयुक्त राष्ट्र और उसके अंग, अन्य अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संगठन क्षेत्रीय सांस्कृतिक संगठन, सांस्कृतिक सहयोग परिषदें।

इकाई– 15 सम सामयिक सन्दर्भ एवं अन्तर सांस्कृतिक संवाद की आवश्यकता :–
समसामयिक सन्दर्भ एवं अन्तर सास्कृतिक संवाद : (जन संख्या का स्थानान्तरण, नव संस्कृति की स्थापना, पारम्परिक मूल्यों के प्रति बढ़ती उदासीनता धार्मिक कट्टरता एवं उन्माद) समसायिक आर्थिक परिदृश्य : (आर्थिक उदारीकरण और बाजारवाद, उपभोक्तावाद संस्कृति का विस्तार, जन संस्कृति की नवीन व्याख्या) अन्तर सांस्कृतिक संवाद की सीमाएं, अन्तर सांस्कृतिक संवाद की आवश्यकता एवं उपयोगिता : अन्तर सांस्कृतिक संवाद की आवश्यकता एवं उपयोगिता : अन्तर सांस्कृतिक संवाद की आवश्यकता, अन्तर सांस्कृतिक संवाद की उपयोगिता।

इकाई–16 अन्तर सांस्कृतिक संचार का संवाहक आधुनिक मीडिया – अन्तर सांस्कृतिक
संचार : (अन्तर सांस्कृतिक संचार का अर्थ, प्रक्रिया, विकास) आधुनिक मीडिया (मीडिया के प्रकार, आधुनिक मीडिया से आशय, प्रकार) आधुनिक मीडिया एवं अन्तर सांस्कृतिक संचार : (प्रिन्ट मीडिया और अन्तर सांस्कृतिक संचार, इलेक्ट्रानिक मीडिया और अन्तर सांस्कृतिक संचार, इण्टरैक्टिव मीडिया और अन्तर सांस्कृतिक संचार) अन्तर सांस्कृतिक संचार पर आधुनिक मीडिया का प्रभाव : (सकारात्मक प्रभाव, नकारात्मक प्रभाव)।

इकाई– 17 अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियाँ एवं अन्तर सास्कृतिक संचार – समाचार
समिति का अर्थ , महत्व अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियाँ : (प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियाँ, प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय टी.वी. एजेन्सियाँ अन्य अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियाँ) अन्तर्राष्ट्रीय संचार एवं समाचार समितियाँ : (अन्तर्राष्ट्रीय सूचना प्रवाह, संतुलित करने का वैश्विक प्रयास), अन्तर्सांस्कृतिक संचार एवं संवाद समितियाँ, अन्तर्सांस्कृतिक संचार पर अर्न्राष्ट्रीय समाचार समितियों का प्रभाव : (सकारात्मक, नाकारात्मक प्रभाव), सांस्कृतिक साम्राज्यवादः सांस्कृतिक वर्चस्व का प्रश्न, सांस्कृतिक उपनिवेशवाद का संकट।

इकाई–18 अर्न्तसांस्कृतिक संघर्ष और संचार : अर्न्तसांसकृतिक संघर्ष का अर्थ एतिहासिक
पृष्ठभूमि, अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष और संचार का वैश्विक आयाम : (प्राच्य एवं पाश्चात्य सांस्कृतिक संघर्ष और संचार, विकसित एवं विकासशली देशों के माध्यम अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष और संचार, सांस्कृतिक वर्चस्व की कूटनीति एवं

अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष, विश्व में अन्तः सांस्कृतिक संघर्ष और संचार), अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष और संचार का भारतीय आयामः (पाश्चात्य एवं भारतीय संस्कृति में परस्पर अन्तर्संघर्ष, धार्मिक साम्प्रदायिक संघर्ष, भाजाई संघर्ष, जातीय संघर्ष, राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संस्कृति का परस्पर अन्तर्संघर्ष, आय वर्ग पर आधारित अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष, आयु वर्ग पर आधारित अन्तर्सांस्कृतिक संघर्ष) अर्न्तसांस्कृतिक संघर्ष का परिणामः (सकारात्मक परिणाम, नकारात्मक परिणाम)।

इकाई–19 आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं वैश्वीकरण का अन्तर सांस्कृतिक संचार पर प्रभाव–

आधुनिक प्रौद्योगिकी : (स्वरूप, संचार क्रान्ति), आधुनिक प्रौद्योगिकी और अन्तरसांस्कृतिक संचार : (में आधुनिक प्रौद्योगिकी की भूमिका, आधुनिक सूचना एवं प्रौद्योगिकी का अन्तरसांस्कृतिक संचार पर प्रभाव), वैश्वीकरण : (अर्थ, परिभाषा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, व्यापकता), वैश्वीकरण : (अर्थ, परिभाषा, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, व्यापकता), वैश्वीकरण और अन्तर सांस्कृतिक संचार : (वैश्वीकरण के समय में अन्तर सांस्कृतिक संचार, वैश्वीकरण का अन्तर सांस्कृतिक संचार पर प्रभाव।

इकाई–20 धार्मिक, राजनैतिक दबाव एवं अन्तर सांस्कृतिक संचार में बाधा– दबाव का अर्थ

एवं दबाव समूहः (दबाव का अर्थ, दबाव समूह का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, विशेषताएँ एवं वर्गीकरण, अन्तर सांस्कृतिक संचार), धार्मिक दबाव और अन्तर सांस्कृतिक, संचार में बाधा :– धार्मिक आधार पर जनसंख्या का वितरण, अल्पसंख्यक मनोविज्ञान, धर्म प्रसार एवं धर्मान्तरण, धार्मिक प्रतीकों एवं क्रियाओं का दबाव, धार्मिक मताग्रहों का दबाव, धार्मिक संगठनों एवं संस्थाओं का दबाव, धार्मिक आतंकवाद), आर्थिक दबाव और अनतर सांस्कृतिक संचार में बाधाः (कारपोरेट पूंजीवाद का दबाव, अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं का दबाव, प्राथमिक अर्थव्यवस्था पर निर्भर समाज) राजनैतिक दबाव एवं अन्तर सांस्कृतिक संचार में बाधाः सरकार और इसकी नीतियाँ, शासन व्यवस्था का दबाव, राजनीतिक दलों एवं संगठनों का दबाव, राजनीतिक विचार धाराओं का दबाव, अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव।

इकाई– 21 संस्कृति संचार एवं लोक माध्यम : संस्कृति : (संस्कृति एवं भारतीय संस्कृति,

भारतीय संस्कृति की भौगोलिक पृष्ठभूमि, लौकिकता, लोक संस्कृति की विशेषता), संस्कृति एवं संचार का अन्तर्सम्बन्ध, लोक माध्यमः (विशेषता, प्रकार, उपयोगिता) सांस्कृतिक संचार और लोक माध्यम।

इकाई–22 संगीत, नृत्य एवं नाट्य कलाएं :– अन्तर सांस्कृतिक संचार के उपकरण के रूप

में : परम्परिक जन माध्यम : (उद्भव एवं विकास, महत्व एवं प्रासंगिकता), सांस्कृतिक संचार के उपकरण : संगीत, नृत्य एवं नाट्य, संगीत एवं संस्कृति : (संगीत का स्वरूप, संगीत के प्रकार, संगीत और सांस्कृतिक पहचान),नृत्य एवं सांस्कृतिक दृष्टि : – (नृत्य की अवधारणा, नृत्य के प्रकार, संस्कृति के सम्बन्ध) नाट्य कलाएं एवं संस्कृतिः (नाटक धार्मिक नाट्य, लोक नाट्य) ।

इकाई– 23 नव संस्कृति का संवाहक मीडिया– नव संस्कृति : (अर्थ, अवधारणा, कारक),

नव संस्कृत का संवाहक मीडिया : (पारम्पारिक, प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक मीडिया) नव संस्कृति का सशक्त संवाहक : सेटेलाइट मीडिया, नव संस्कृति सांस्कृतिक परिवर्तन के रूप में ।

इकाई–24 अन्तर्राष्ट्रीय संचार व्यवस्था – अन्तर्राष्ट्रीय संचार की अवधारणा, प्रभावित करने

वाले कारकः (सम्प्रभुता, राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय हित) अन्तर्राष्ट्रीय संचार और राजनीतिक विचारधाराएँ, प्रक्रिया, मीडिया का अन्तर्राष्ट्रीयकरण, अनतर्राष्ट्रीय निर्भरता, अन्तर्राष्ट्रीय सूचना राजनीतिक : मैक ब्राइड आयोग, गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का न्यूज पूल, नयी विश्व सूचना एवं संचार व्यवस्था)। अन्तर्राष्ट्रीय संचार का महत्व, वर्तमान स्थिति।

इकाई– 25 वैश्वीकरण विविध आयाम– वैश्वीकरण की अवधारणा, विविध आयाम :

(आर्थिक, सांस्कृति, राजनीतिक वैश्वीकरण) वैश्वीकरण और संचार, आधुनिकीकरण, मास मीडिया, (जन माध्यम) उपभोक्तावाद।

MJMC-07
मीडिया शोध

इकाई–1 मीडिया शोध – अर्थ, अवधारणा एवं प्रक्रियाः मीडिया का अभिप्राय एवं परिभाषाएँ, शोध का तात्पर्य : (शोध का अर्थ एवं परिभाषाएँ) मीडिया शोध की अवधारणा, मीडिया शोध की प्रकृति एवं प्रक्रिया, मीडिया शोध के प्रमुख क्षेत्र, मीडिया शोध की प्रमुख प्रणालियाँ : (प्रश्नावली प्रणाली, प्रमुख भेद : (प्रश्नावली की विशिष्टताएँ, प्रमुख भेद), आदर्श प्रश्नावली प्रश्नवली के गुण, प्रश्नावली प्रणाली का महत्व, अनुसूची प्रणाली : (अनुसूची के भेद, आदर्श अनुसूची के मानक, अनुसूची प्रणाली के दोष), अनुमापन प्रणाली : (पैमाना पद्धतियों के प्रमुख भेद, अंक पैमाना, संचार रिक्ता मानक यंत्र, तीव्रता यंत्र पद सूचक पैमाने)।

इकाई–2 मीडिया शोध की पद्धतियाँ : परिभाषा एवं तात्पर्य, वैज्ञानिक पद्धति : परिभाषा एवं स्वरूप, वैज्ञानिक पद्धति के प्रमुख सोपान, मीडिया शोध की प्रमुख विशेषताएँ, मीडिया शोध की प्रमुख वैज्ञानिक पद्धतियाँ : अवलोकन शोध पद्धति : (अवलोकन पद्धति के प्रकार, विशेषताएँ, अवलोकन पद्धति के गुण, दोष) , प्रयोगात्मक शोध पद्धति, जनगणना शोध पद्धति, वैयक्तिक अध्ययन शोध पद्धति : (वैयक्तिक अध्ययन शोध पद्धति का वैशिष्टय, प्रमुख भेद, विविध सोपान, स्रोत– साधन, उपयोगिता, दोष), मीडिया शोध की सांख्यिकीय पद्धति : (सांख्यकीय पद्धति के प्रमुख की प्रमुख विधियाँ, दैव निदर्शन पद्धति, उद्देश्य पूर्ण निदर्शन पद्धति, सुविधाजनक निदर्शन पद्धति, क्षेत्रीय निदर्शन पद्धति, निदर्शन पद्धति की मुख्य बाधायें, साक्षात्कार शोध पद्धति : (साक्षात्कार पद्धति के प्रकार, विशेषताएं, पद्धति के गुण दोष), सर्वेक्षण शोध पद्धति : सर्वेक्षण शोध पद्धति के प्रकार, गुण ,दोष) अन्तर्वस्तु विश्लेषण शोध पद्धति।

इकाई– 3 मीडिया शोध के तत्व – वैज्ञानिक शोध के तत्व : (जिज्ञासा वृत्ति, धैर्य एवं सहनशीलता, साहस एवं उत्साह, कड़ा परिश्रम एवं लगन, उर्वर कल्पना शक्ति, वस्तुनिष्ठता, सत्यापन योग्यता, निश्चयात्मक निष्कर्ष, सामान्यीकरण, कार्य– कारण सम्बन्ध स्थापनाख भविष्य कथन) मीडिया शोध के मूल तत्व : (परिकल्पना का निर्माण : परिभाषा, स्रोत , स्वरूप विशेषतायें, उपयोगिता), विवेच्य सामग्रियों का संग्रह विवेच्य सामग्रियों का विश्लेषण , सिद्धान्त प्रतिपादन एवं निष्कर्ष निर्धारण : (तर्कशास्त्र की विधियाँ, प्रमुख समस्यायें, सांख्यिकीय विधियाँ, आगमन और निगमन, विधियाँ, सिद्धान्त प्रतिपादन परिकल्पना की भूमिका), मीडिया का चयन एवं प्रयोगः (मुद्रित माद्यम का चयन, इलेक्ट्रानिक मीडिया), मीडिया शोध क प्रेरक तत्व : (प्रबल जिज्ञासु प्रवृत्ति, कार्य–कारण के रहस्यों का उद्घाटन नवीन परिस्थितियों का अध्ययन, नवीन शोध पद्धतियों की खोज), मीडिया शोध की आधारभूत प्रतिस्थापनायें : कार्य– कारण सम्बन्ध की व्याख्या, प्रभावों का अध्ययन आदर्श प्रतिरूपों की सम्भावना, निदर्शन की महत्ता, वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण की महत्ता।

इकाई– 4 मीडिया शोध एवं सामाजिक शोध – मीडिया शोध का अभिप्राय सामाजिक शोध का अभिप्राय, उद्देश्य : (शुद्ध सैद्धान्तिक उद्देश्य, व्यावहारिक उद्देश्य), मीडिया शोध और सामाजिक शोध में महत्ता।

इकाई– 5 मीडिया शोध : आवश्यकता एवं महत्ता– मीडिया शोध की उपयोगिता स्वास्थ्य समाज की रचना में उपयोगिता, समाज के बेहतर भविष्य के लिए उपयोग पिछड़े वर्ग की बेहतरी के लिए उपयोग जनसंचार माध्यमों के लिए उपयोग, विपणन क्षेत्र में उपयोग, मीडिया के प्रसार क्षेत्र में वृद्धि के लिए उपयोग, मीडिया में गुणात्मक सुधार के लिए उपयोग, राष्ट्रीय संदर्भ में मीडिया शोध की आवश्यकता, मीडिया शोध का महत्वः (अज्ञानता निवारण में, लोक कल्याण में, सम्प्रेषण को प्रभावी बनाने में, अंधविश्वास– निवारण में, संकीर्ण सोच के निवारण में, सामाजिक व्यवस्था को बनाने में, सामाजिक प्रगति में, सामाजिक समस्याओं के समाधान में, अन्य सामाजिक विज्ञानों के विकास में सहायक), मीडिया के श्रेष्ठ शोधकर्ता में अपेक्षित योग्यताए : (व्यक्तित्व सम्बन्धी योग्यतायें, प्रभावशाली व्यक्तित्व दृढ़ता, धैर्य एवं सहनशीलता) बौद्धिक योग्यताओं – उर्वर कल्पना शक्ति, निर्णायात्मक क्षमता, सांख्यिकीय विश्लेषण में दक्षता, विचारों में स्पष्टता, तार्किक क्षमता सांख्यिकी विश्लेषण में दक्षता, विचारों में स्पष्टता, तार्किक क्षमता, नीर–क्षीर विवेक, बौद्धिक ईमानदारी) व्यावहारिक योग्यताओं : (शिष्ट, व्यवहार, लचीला व्यवहार, सहज संवाद योग्यता, आत्म संयम) अनुसंधेय विषय सम्बन्धी योग्यतायें (विषय में स्वाभाविक रूचि विषय का गहरा ज्ञान, लक्ष्योन्मुखी दृष्टि) अनुसंधान प्रक्रिया सम्बन्धी योग्यतायें : (अनुसंधान

पद्धतियों का पर्याप्त ज्ञान, उपयुक्त व्यक्ति, समय, स्थान का बोध, उचित प्रशिक्षण क्षमता, संगठनात्मक योग्यता), वैज्ञानिक दृष्टि सम्बन्धी योग्यतायें : (जिज्ञासुवृत्ति, वस्तुनिष्ठता)।

इकाई– 6 मीडिया शोध में परिकल्पना निर्माण – परिकल्पना की परिभाषा, परिकल्पना की विशेषताएँ : स्पष्टता, अनुभव सिद्धता, विशिष्टता, सिद्धान्तों से सम्बन्धित, उपलब्ध प्रविधियों से सम्बद्ध), परिकल्पना के प्रकार : (आदर्श प्रारूपों से सम्बन्धित परिकल्पनाएं , विश्लेषणात्म्क चरों से सम्बन्धित परिकल्पनाएँ), कार्यकारी परिकल्पना से स्रोत : व्यक्तिगत अनुभव, सामान्य संस्कृति, वैज्ञानिक सिद्धान्त) परिकल्पना का महत्व : अध्ययन की दिशा का निर्धारण, उपयोगी तत्वों के संकलन में सहायता, अध्ययन क्षेत्र को सीमित करने में सहायक, तर्क संगत निष्कर्षों में सहायक, सिद्धान्तों के निर्माण में सहायक।

इकाई– 7 शोध प्ररचना (अभिकल्प) : शोध अभिकल्प का अर्थ व परिभाषा, प्रकार, प्रयोगात्मक शोल अभिकल्प, अन्वेषणात्मक शोध अभिकल्प, वर्णनात्मक शोध, अभिकल्प, निदानात्मक शोध अभिकल्प) शोध अभिकल्प के कार्य, उपयोगिता महत्व।

इकाई– 8 अवलोकन या निरीक्षण विधि – परिभाषा एवं अर्थ, विधि की विशेषताएँ, अवलोकन की अर्न्तवस्तु, अवलोकन के प्रकार : (सहभागी, असहभागी, अनियंत्रित, नियंत्रित अवलोकन), अवलोकन की सीमाएं।

इकाई–9 वैयक्तिक अध्ययन – वैयक्तिक अध्ययन का अर्थ, परिभाषा विशेषताएँ : (एक या कुछ सामाजिक इकाइयों का अध्ययन, व्यक्तिगत, सम्पूर्ण, समस्या, गुणात्मक संख्यात्मक, ऐतिहासिक अध्ययन), वैयक्तिक अध्ययन की आधारभूत मान्यताएं : (समयतत्व का प्रभाव परिस्थितिजन्य, मानव की मौलिक एकता) वैयक्तिक अध्ययन के प्रकार : (व्यक्ति का वैयक्तिक अध्ययन, समुदाय का वैयक्तिक अध्ययन), वैयक्तिक अध्ययन की प्रविधियाँ व तथ्यों के स्रोत : (प्रलेखीय तथ्यों के स्रोत स्वयं संकलित तथ्यों के स्रोत), वैयक्तिक अध्ययन का महत्व , वैयक्तिक अध्ययन विधि की सीमाएं।

इकाई–10 अन्तर्वस्तु विश्लेषण – अर्न्तवस्तु विश्लेषण की परिभाषा, उद्देश्य, विभिन्न प्रयोग, प्रमुख चरण, प्रकार, प्रविधि सीमाएं, प्रतिदर्श के स्तर :– (समाचार पत्रों का प्रतिदर्श, समय, आर्थिक पत्रकारिता , पाठकों का प्रतिदर्श)।

इकाई– 11 आंकड़ा संचय के उपकरण – प्रश्नावली – प्रश्नावली का अर्थ एवं परिभाषा, अच्छी प्रश्नावली की विशेषताएँ, प्रश्नावली के प्रकार : (सयोजित प्रश्नावली , बन्द प्रश्नावली, खुली प्रश्नावली, असंयोजित प्रश्नावली, चित्रमय, प्रश्नावली, मिश्रित प्रश्नावली), प्रश्नावली की रचा करते समय ध्यान में रखने योग्य बातें, प्रश्नावली तथा अनुसूची में अन्तर, प्रश्नावली प्रविधि का महत्व व गुण : (विस्तृत जनसंख्या का अध्ययन , सूचनाओं को बार–बार प्राप्त करने की सुविधा, सूचनओं को बार–बार प्राप्त करने की सुविधा निम्नतम व्यय सूचनओं का शीघ्र प्राप्त होना, सुगमता, स्वतंत्र व प्रमाणिक सूचना, स्वयं सूचनाओं का शीघ्र प्राप्त होना, सुगमता, स्वतंत्र व प्रमाणित सूचना, स्वयं प्रशासित)

इकाई – 12 साक्षात्कार : अर्थ, परिभाषा, साक्षात्कार के प्रकार, साक्षात्कार के प्रमुख चरण, साक्षात्कार प्रविधि का महत्व, साक्षात्कार की विशेषताएँ, साक्षात्कार के उद्देश्य, साक्षात्कार की सीमाएँ।

इकाई– 13 सर्वेक्षण – सर्वेक्षण का अर्थ, परिभाषाएँ उद्देश्य कार्य, अध्ययन, क्षेत्र प्रकार : (सामान्य तथा विशिष्ट सर्वेक्षण, अंतिम तथा आवृत्ति मूलक, प्रारम्भिक तथा मुख्य सर्वेक्षण, जनगणना तथा निदर्श सर्वेक्षण , अन्य प्रकार) । सर्वेक्षण : (गुण, उपयोगिता, दोष, आयोजन)।

इकाई– 14 निदर्शन (सैम्पलिंग) – निदर्शन का अर्थ : (निदर्शन पद्धति की परिभाषा, आवश्यकता क्यों), निदर्शन की आधारभूत मान्यताएँ : (समग्र की एक रूपता, प्रतिदर्श न्यायदर्श के चुनाव की संभावना, निकटतम शुद्धता की संभावना), निदर्शन , पद्धति के प्रकार : देव निदर्शन पद्धति, सरल देव निदर्शन, स्तरित निदर्शन, गुच्छा निदर्शन, सुविधाजनक निदर्शक, कोटा, स्वयं निर्वाचित निदर्शन, पैनल, आदर्श निदर्शना) एक अच्छे निदर्शन की विशेषताएँ, निदेर्शन प्रक्रिया के मुख्य चरण, निदर्शन पद्धति के गुण, दोष एवं सीमाएं।

इकाई –15 मीडिया की विधाएँ और शोध – मीडिया शोध इलेक्ट्रानिक मीडिया, शोध (रेटिंग, नान रेटिंग शोध और प्रिंट मीडिया : रीडरशिप, प्रसार, पत्र प्रबंधन साज–सज्जा, पठनीयता शोध), संगीत शोध मीडिया शोध और रिर्पोटिंग, विज्ञापन शोध, जनसम्पर्क शोध : (अन्वोषणात्मक, निदानात्मक शोध) ।

इकाई– 16 वर्गीकरण एवं सारणीयन – वर्गीकरण : (वर्गीकरण का अर्थ एवं परिभाषा, विशेषताएँ, आधार, प्रकार), सारणीयन : (सारणीयन के उद्देश्य, उत्तम सारणी के गुण, सांख्यिकीय सारणियों के प्रकार, सारणी निर्माण के आवश्यक नियम व सावधानियाँ, सारणीयन के लाभ या उपयोगिता, सारणीयतन की सीमाएं)।

इकाई– 17 सांख्यिकीय विश्लेषण – सांख्यिकीय विश्लेषण : सह संबंध, रेखीय समाश्रयण, काल श्रेणी, प्रसरण, विश्लेषण ।

इकाई–18 केन्द्रीय प्रवृत्ति – केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें : (केन्द्रीय प्रवृत्ति का अर्थ, महत्व, मापन का उद्देश्य, माप के प्रकार, मापों की सीमाएं, विभिन्न मापों की तुलना।

इकाई–19 माध्य माध्यिका एवं बहुलक – संचार अनुसंधान की सांख्यिकीय पद्धतियाँ : (माध्य, उपयोगिता एवं उद्देश्य, आदर्श माध्य के आवश्यक गुण, सांख्यिकीय माध्यमों के प्रकार), मध्याक : (सरल श्रेणी, असतत श्रेणी, सतत श्रेणी में माध्यिक, माध्यांक या माध्यिका के गुण दोष), बहुलक : बहुलक की विशेषताएँ, सरल श्रेणी में बहुलक निकालना , अखण्डित श्रेणी में बहुलक निकालना, बहुलक के गुण–दोष।

इकाई– 20 जनमत सर्वेक्षण एवं चुनाव पूर्व अध्ययन – जनमत क्या है, सर्वेक्षण, जनमत सर्वेक्षण, प्रकार, आयोजन उपयोगिता सीमाएं।

इकाई–21 एक्जिट पोल : – परिचय एवं महत्व मतदाता रूझान का अनुमान एवं अक्जिट पोल, वर्तमान मीडिया परिदृश्य एवं एक्जिट पोल, एक्जिट पोल की विश्वसनीयता से जुड़े कुछ प्रश्न।

इकाई – 22 रिपोर्टिंग की विद्या के रूप में मीडिया शोध – मीडिया शोध, विविध रूप, बाजार आधारित व्यवस्था और मीडिया शोध, मीडिया शोध की दशा और दिशा रिपोर्टिंग की आधुनिक प्रवृत्तियाँ, व्याख्यात्मक पत्रकारिता और मीडिया शोध विकास पत्रकारिता और मीडिया शोध।

इकाई– 23 मीडिया शोध के नैतिक मापदण्ड – मीडिया और विकास , भावात्मक एकीकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व, जनता और सरकार के बीच सेतु, शिक्षा में सामर्थ्य, निर्बल की आवाज, अच्छे जीवन के प्रति ललक, आशा का वातावरण, जनमत निर्माण उपेक्षित विषयों पर ध्यान फ्री प्रेस और फेयर ट्रायल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम व्यक्तिगत गोपनीयता, संस्कारों का संपोषण भारतीयता की झलक, मूल्यों का आग्रह, अश्लीलता से मुक्ति राष्ट्रहित सर्वेपरि, आचार संहिता का पालन।

इकाई–24 लघु शोध प्रबन्ध एवं शोध प्रबन्ध की तैयारी – समस्या का चयन, उपलब्ध साहित्य का पुनरावलोकन इकाइयों का चयन, परिकल्पना का निर्धारण, अध्ययन क्षेत्र का निर्धारण, उत्तरदाताओं का चयन, सूचना के स्रोत, प्रविधियों का निर्धारण, तथ्यों का अवलोकन व संकलन, वर्गीकरण और सारणीयन, तथ्यों का विश्लेषण व विवेचन, निष्कर्ष एवं सुझाव, सामान्यीकरण और सिद्धान्त निर्माण, रिपोर्ट लेखन।

MJMC-08
हिन्दी पत्रकारिता

खण्ड –1 हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका–

इकाई–1 भाषायी पत्रकारिता – अर्थ एवं पृष्ठभूमि, स्वरूप और विकास, स्थिति एवं भूमिका भाषायी पत्रकारिता को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्व, भाषायी पत्रकारिता का भविष्य।

इकाई – 2 राष्ट्रभाषा का सवाल और हिन्दी – हिन्दी का अखिल भारतीय स्वरूप, स्वाधीनता संघर्ष और राष्ट्रभाषा, राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी विकास, राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति, शासन के अंग और राजभाषा हिन्दी (न्यायपालिका और राजभाषा, विधान पालिका और राजभाषा, कार्यपालिका और राजभाषा)भारत के संबंध में निशेष उपबन्ध। राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन– राजभाषा आयोग और राष्ट्रपति के आदेश, राजभाषा अधिनियम 1963 (1967) में संशोधित), राजभाषा नियम– 1963, समितियाँ, अनुवाद और हिन्दी का प्रचार– प्रसार, राजभाषा हिन्दी का भविष्य : संकट और समाधान।

इकाई– 3 हिन्दी भाषी प्रदेशों की हिन्दी पत्रकारिता – उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ बिहार, झारखण्ड, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणाा, एवं हिमाचल प्रदेश की हिन्दी पत्रकारिता।

इकाई– 4 गैर हिन्दी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता – गैर हिन्दी राज्यों में हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप (जम्मू–कश्मीर, पंजाब, बंगाल, पूर्वेत्तर भारत, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु)।

इकाई – 5 प्रायोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण केन्द्र, प्रायोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता के उद्देश्य एवं विषय हेतु प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता प्रशिक्षण केन्द्र का परिचय।

खण्ड– 2 हिन्दी पत्रकारिता का विकास

इकाई– 6 प्राचीन भारत में पत्रकारिता का स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास, स्वातन्त्रयोतर हिन्दी पत्रकारिता के विकास का स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता में नवीन परिवेश एवं प्रशिक्षण की अनिवार्यता।

इकाई– 7 स्वातंन्र्योतर भारत में पत्रकारिता का बदलता आयाम, स्वातंन्र्योत्तर भारत में हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप, स्वातंन्र्योत्तर भारत में हिन्दी के प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ, हिन्दी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ।

इकाई– 8 हिन्दी पत्रकारिता और बदलते मूल्य, वर्तमान प्रमुख समाचार पत्र।

इकाई– 9 वर्तमान हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप, वर्तमान हिन्दी पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर एक परिचय।

इकाई– 10 हिन्दी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ, हिन्दी पत्रकारिता और बाजारवाद हिन्दी पत्रकारिता पत्र वर्तमान स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता और सामाजिक न्याय, हिन्दी पत्रकारिता की दिशा हिन्दी पत्रकारिता से अपेक्षा।

इकाई– 11 हिन्दी समाचार पत्रों का वर्गीकरण – प्रकाशन अवधि के आधार पर हिन्दी समाचार पत्रों को वर्गीकरण (समाचार एवं सामयिक सन्दर्भ के पत्र, साहित्य, संस्कृति एवं फिल्म जगत के पत्र, बाल एवं अन्य जगत के पत्र) विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रमुख हिन्दी समाचार पत्र, वैज्ञानिक अविष्कारों का हिन्दी समाचार पत्रों पर प्रभाव।

इकाई– 12 हिन्दी की पत्रिकाओं का स्वरूप – हिन्दी पत्रिकाओं का स्वरूप एवं वर्गीकरण, प्रकाशन अवधि के आधार पर हिन्दी पत्रिकाओं का वर्गीकरण, साप्ताहिक हिन्दी पत्रिकाएं, पाक्षिक हिन्दी पत्रिकाएं, मासिक हिन्दी पत्रिकाएं विषयवस्तु के आधार पर हिन्दी पत्रिकाओं का वर्गीकरण –साहित्यिक पत्रिकाओं का स्वरूप एवं वर्गीकरण (राजनीतिक पत्रिकाएं, सांस्कृतिक पत्रिकाए, धार्मिक पत्रिकाएं, बाल पत्रिकाएं, आर्थिक पत्रिकाएं, कृषि एवं विज्ञान पत्रिकाएं, महिलोपयोगी पत्रिकाएं, फिल्मी पत्रिकाएं, खेल पत्रिकाएं, हिन्दी पत्रिकाओं का सामाजिक दायित्व।

इकाई– 13 हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का मानकीकरण – मानक भाषा एवं मानकीकरण का अर्थ, हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का क्रमिक विकास, मानकीकृत हिन्दी पत्रकारिता की भाषा का स्वरूप (बर्तनी की एकारूपता, कॉपी तैयार करने का युग, हिन्दी की शुद्धता, सरल शब्दों एवं वाक्यों का चयन, लिंग, वयन , विराम चिन्हों एवं मुहावनों का सही प्रयोग, अनुवाद एवं प्रूफरीडिंग में सावधानी, हिन्दी पत्रकारिता में भाषायी समस्या एवं वैज्ञानिक भाषा)।

इकाई– 14 हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य – हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ एवं भविष्य (विश्व में हिन्दी भाषा का वर्तमान स्वरूप) आधुनिक जनसंचार व्यवस्था और हिन्दी का भविष्य), हिन्दी पत्रकारिता भविष्य की संभावनाओं का आंकलन, वर्तमान सूचना क्रान्ति और भविष्य की नवीन संभावनायें, भविष्य में मानव सभ्यता के विकास में संचार की भूमिका का मूल्यांकन।

इकाई– 15 रेडियो – ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और विशेषताएं : (रेडियो प्रसारण का इतिहास, भारत में रेडियो प्रसारण का इतिहास, जनमाध्यम के रूप में रेडियो, एफ. एम. रेडियो), रेडियो पत्रकारिता का स्वरूपः (रेडियो के विविध कार्यक्रम, वार्ता लेखन, रेडियो साक्षात्कार), रेडियो के समाचार – (समाचार सेवा प्रयाग, रेडियो समाचार बुलेटिन के प्रकार समाचार दर्शन) रेडियो के लिए समाचार – लेखन और संपादन समाचार लेखन और संपादन के मूल सिद्धान्त, रेडियो समाचार– कॉपी, रेडियो समाचार संरचना, समाचार वाचन, आकाशवाणी की आचार –संहिता।

इकाई– 16 टीवी – टेलीविजन प्रसारण : उद्‌भव और विकास : टेलीविजन का सामान्य परिचय भारत में टेलीविजन का विकास, दूरदर्शन के लक्ष्य जनमाध्यम के रूप में टेलीविजन), टेलीविजन के विविध कार्यक्रम : सूचनात्मक कार्यक्रम, मनोरंजन परक कार्यक्रम, शैक्षणिक कार्यक्रम विकासात्मक कार्यक्रम) , टीवी पत्रकारिता का स्वरूप– (दूरदर्शन के समाचार बुलेटिन का स्वरूप समाचार कक्ष, समाचार बुलेटिन की तैयारी, टेलीविजन के लिए रिपोर्टिंग, टेलीविजन रिपोर्टर के गुण, टेलीविजन रिपोर्टर के लिए सावधानियाँ) , टेलीविजन के लिए लेखन और संपादन : (टेलीविजन के लिए लेखन, संपादन प्रविधि, टेलीविजन समाचारों की संरचना, सीधा प्रसारण, हॉट लाइन समाचार और ऑन–लाइन समाचार) ।

इकाई– 17 फिल्म : फिल्म पत्रकारिता का अर्थ, स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता , हिन्दी फिल्म पत्रकारिता के विविध रूप : (फिल्म पत्र–पत्रिकाएँ व समाचार पत्र, रेडियो फिल्म पत्रकारिता, टीवी, इंटरनेट फिल्म पत्रकारिता), फिल्म पत्रकारिता एवं हिन्दी भाषा, हिन्दी फिल्म पत्रकारिता का भविष्य ।

इकाई– 18 केबिल – केबिल –टीवी का अर्थ, केबल टीवी का संक्षिप्त विकासक्रम, भारत में केबल का प्रवेश, हिन्दी केबल – टीवी पत्रकारिता, हिन्दी केबल–टीवी पत्रकारिता की विशेषताएं हिन्दी केबल–टीवी पत्रकारिता की स्थिति , हिन्दी केबल–टीवी का हिन्दी पत्रकारिता पर प्रभाव।

इकाई–19 नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी– सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणा : प्रमुख माध्यमः (सूचना के प्रमुख अंग, नवीन मार्ग) , नवीनतम् सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी पत्रकारिता का का स्वरूप : (हिन्दी पत्रकारिता में व्यावसायिक दृष्टि, प्रौद्योगिकीय तकनीकी का पत्रकारिता संस्थाओं पर प्रभाव, हिन्दी पत्रकारिता में प्राचीन एवं नवीनतम तकनीक का द्वन्द्व , दूरसंचार व्यवस्था एवं समाचार प्रसारण की नयी तकनीकी, इलेक्ट्रानिक संचार का हिन्दी पत्रकारिता पर प्रभाव– (अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय उपग्रहों का पत्रकारिता पर प्रभाव, नवीनतम प्रौद्योगिकी का पत्र–पत्रकाओं के प्रकाशन का प्रभाव, दूरसंचार व्यवस्था का पत्र–पत्रकाओं पर दुष्प्रभाव)।

इकाई– 20 हिन्दी पत्रकारिता एवं संवाद समितियाँ :– संवाद समिति : अवधारणा और महत्व (अवधारणा हिन्दी पत्रकारिता के महत्व), संवाद समितियाँ : उद्‌भव और विकास – (अन्तर्राष्ट्रीय संवाद समितियाँ, प्रमुख विदेशी संवाद समितियाँ भारत में संवाद समितियाों का विकास, प्रमुख भारतीय संवाद समितियां), संवाद समितियों का संगठन और कार्यप्रणाली, संवाद समितियों के लिए समाचार संकलन और लेखन – (संवाद समितियों के लिए समाचार संकलन संवाद समितियों के लिए समाचार लेखन और संपादन, समाचारों की प्रसारण विधि, संवाद समितियों की समस्याएं और संभावनाएं।

इकाई–21 हिन्दी और विज्ञापन पत्रकारिता – विज्ञापन पत्रकारिता, पत्रकारिता का इतिहास, विज्ञापन की खबरों के स्रोत : (साक्षात्कार प्रेस वार्ता और प्रेस से लिलिए, विज्ञापन की खबरों कैसे लिखें ,खोजी विज्ञापन पत्रकारिता।

इकाई– 22 हिन्दी –जगत और खेल पत्रकारिता – खेल पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, खेल पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप : खेल पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार, समाचारों के स्रोत, समाचार – लेखन) , खेल फीचर, खेल सम्बन्धी लेख।

इकाई– 23 सामाजिक सांस्कृतिक विकास और हिन्दी पत्रकारिता– प्रारम्भिक पत्र और समाज में चेतना, भारतेन्दु युग और जागरण, उन्नीसवीं सदी का उत्तरार्द्ध और पत्रकारिता, द्विवेदी युग और सामाजिक विकास, छायावाद युग एवं सांस्कृतिक विकास, छायावादोत्तर काल और राष्ट्र जागरण, स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता और बहुमुखी विकास, भूमण्डलीकरण और विकास।

इकाई– 24 हिन्दी पत्रकारिता एवं नवीन तकनीक – पत्रकारिता में वर्तमान प्रचलित तकनीकें, हिन्दी पत्रकारिता एवं कम्प्यूटर , हिन्दी पत्रकारिता एवं मुद्रण क्रान्ति हिन्दी पत्रकारिता एवं सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी हिन्दी पत्रों के संपादकीय ढाँचे पर आधुनिक तकनीक, आधुनिक तकनीकों के सकारात्मक प्रभाव, नकारात्मक प्रभाव।

MJMC-09
विकास संचार

इकाई– 1 विकास– परिभाषा, अर्थ, मापन प्रक्रिया और मुख्य पहलू विकास के वैकल्पिक सूचक, विकासशील देशों की प्रमुख, विशेषताएं।

इकाई– 2 विकास माडल एवं सिद्धान्त – आवश्कता, उपादेयता, वर्गीकरण विकास के प्रमुख सिद्धान्त (रेस्टोव की संवृद्धि की अवस्थाएं, रोगन का बड़े धक्के का सिद्धान्त , आर्थर लुईस का श्रम की असीमिति पूर्ति का सिद्धान्त, संतुलित बनाम असंतुलित विकास सिद्धान्त , निर्भरता सिद्धान्त , विकास का मानव पूंजी निर्माण मॉडल, विकास के गैर आर्थिक सिद्धान्त)।

इकाई– 3 विकास एवं सामाजिक परिवर्तन – अर्थ विशेषताएं, विकास एवं सामाजिक परिवर्तन में अन्तर्सम्बन्ध, सामाजिक परिवर्तन का स्पष्टीकरण (धर्मशास्त्रीय , विकासवादी, चक्रीय, भौगोलिक, विसरणवादी, संतुलन बनाम संघर्ष, आर्थिक कारक, प्रौद्योगिकी कारक, समाजिक– सास्कृतिक कारक, कानून तथा सरकार, राजनैतिकक कारक, सूचना एवं संचार माध्यम , स्वैच्छिक एजेन्सियाँ और समूह, शिक्षा)। भारतीय संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया – संस्कृतिककरण, पश्चिमीकरण, धर्म निरपेक्षीकरण, आधुनिकीकरण , सामाजिक परिवर्तन की बाधाएं।

इकाई– 4 पंचवर्षी योजनाएं एवं विकास– नियोजन का अर्थ , विशेषताएं, भारत से आर्थिक नियोजन, पंचवर्षीय योजनाएं और उनके उद्देश्य – प्रथम पंचवर्षीय योजना, द्वितीय पंचवर्षीय योजना, तृतीय पंचवर्षीय योजना, वार्षिक योजनाएं, सावतीं पंचवर्षीय योजना , आठवीं पंचवर्षीय योजना, नवीं पंचवर्षीय योजना, दसवीं पचंवर्षीय योजना, योजनाओं, में देश की आर्थिक प्रगति की समीक्षा।

इकाई– 5 परम्परागत माध्यम एवं विकास – अर्थ, विशेषता, विविध पारम्परागत माध्यम– वर्तमान समय में परम्परागत माध्यम का स्वरूप।

इकाई– 6 विकास एवं संचार का अर्न्तसम्बन्ध– विकास की अवधारणा , संचार की अवधारणा विकास संचार का अर्थ, प्रक्रिया, प्रकृति, लक्ष्य : विकास एवं प्रगति में अंतर, जोशी कमेटी व नामीडिया, विकास पत्रकारिता की प्रभावशीलता, कृषि संचार, जनमाध्यम और कृषक महिलायें।

इकाई– 7 विकास संचार के क्षेत्र – ग्रामीण पत्रकारिता, पर्यावरण की रक्षा, शहरीकरण और विकास संचार, कमजोर वर्गों का उत्थान, शिक्षा एवं साक्षरता।

इकाई– 8 विकास संचार की रणनीति – आयाम और अवयव, नियोजन के दबाव और जटिलातायं, विकास सहायता : (मास मीडिया, ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता, विकास पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुसंधान), भारत में विकास व पत्रकारिता।

इकाई– 9 विकास संचार में नई सूचना पद्धति– मीडिया का उपयोग, संचार तकनीक का विकास, विकास और सूचना का अंतर्सम्बन्ध, भारत में संचार की स्थिति, संचार के पुरातन तरीके फिल्मों का इस्तेमाल, नई चुनौतियाँ, सिनेमा एवं केबल टेलीविजन, इंटरनेट क्रान्ति और समग्र राष्ट्रीय विकास, एफ.एम. रेडियो, सामुदायिक रेडियो।

इाकई– 10 स्वातन्त्र्योत्तर, भारत में विकास संचार – विकास मूलक संचार (भारतीय परिप्रेक्ष्य), राष्ट्रीय योजना समिति तथा संचार, लोकतात्रिक संचार की अवधारणा, सरकारिक आयोग, राजनीतिक दल एवं संचार माध्यम , संचार का मौजूदा मॉडल, जन माध्यम प्रौद्योगिकी और विकास।

इकाई– 11 विकास एवं कृषि जगत – (कृषि कार्य, कृषक, समाज) भारतीय कृषि का स्वरूप, चुनौतियाँ , आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं कृषि का विकास, राष्ट्रीय विकास एवं कृषि, जनमाध्यम एवं कृषि का विकास, कृषि आधारित व्यवसाय।

इकाई– 12 विकास संचार एवं ग्रामीण विकास– ग्रामीण विकास का अर्थ, राज्य, पंचायती राज, संचार उपयोग, संदेश निर्धारण, संदेश हेतु माध्यम चयन (पारम्परागत माध्यम , आधुनिक माध्यम), ग्रामीण विकास एवं आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी।

इकाई– 13 विकास संचार एवं स्वास्थ्य – विकास संचार के लक्ष्य, विकास संचार एवं स्वास्थ्य, जनस्वास्थ्य की अवधारणा, स्वास्थ्य चेतना एवं जनमाध्यम, परिवार कल्याण एवं जनमाध्यम, पाल्स पोलियो व अन्य उन्मूलन मूलक कार्यक्रम, स्वास्थ्य पत्रकारिता (दशा एवं दिशा)।

इकाई–14 जनसंख्या विस्फोट एवं विकास – जनसंख्या वृद्धि का अर्थ एवं अवस्थाएँ, प्रमुख कारक, विकास पर प्रभाव, पर्यावरण जनसंख्या नियंत्रण एवं विकास संचार, जन संख्या शिक्षा।

इकाई– 15 संचार एवं बाल विकास – बाल विकास की प्राथमिकताएं, जुड़ी समस्याएँ, मीडिया एवं बाज विकास, बाल विकास में संचार सहयोग, वर्तमान संचार व्यवस्था में बालमुद्दे, बाल विकास के सरकारी प्रयास।

इकाई– 16 विकास एवं गिरिजन –परिजन – गिरिजन – परिजन का अर्थ, विकास संचार, विकास के प्रयास, जनमाध्यम, विकास की प्रमुख बाधाएँ, भारत में गिरिजन–परिजन।

इकाई– 17 विकास एवं पर्यावरण– पर्यावरण का अर्थ, विकास, संरक्षण प्रदूषण, अंग, मीडिया, भारत में पर्यावरण संरक्षण।

इकाई– 18 विकास एवं पर्यटन – पर्यटन की अवधारणा, विविध रूप, व्यवसाय के रूप में आर्थिक समृद्धि , सामाजिक–सांस्कृतिक विकास, पर्यटन एवं पर्यावरण, वैश्वीकरण एवं पर्यटन।

इकाई– 19 विकास संचार में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका – विकास, विकास संचार एवं स्वयंसेवी संगठन, आवश्यकता, कार्य, (प्रमुख कार्य क्षेत्र, स्वतंत्र भूमिका, सरकारी कार्यक्रमों मं सहायता) विकास संचार एवं स्वयं सेवी संगठनों की साख।

इकाई– 20 सहभागी संचार – अवधारणा, (सहभागी संचार प्रक्रियाख मीडिया की लोकतान्त्रिक भागीदारी का सिद्धान्त, वर्तमान स्थिति) सहभागी संचार का लक्ष्य , भारत में सहभागी संचार : (सहभागी संचार की सक्रियता, इल्क्ट्रानिक माध्यमों पर निर्भरता), सहभागी संचार और सूचना युगख नई सूचना टेक्नॉलाजी तथा सहभागी संचार : (समाचार पत्रों में सगभागी संचार की स्थिति, रेडियो और सहभागिता, सहभागिता से दूर टेलीविजन सहभागी परम्परागत संचार), सहभागी संचार माध्यम चयन, वास्तविक स्थिति, सहभागी संचार का सच।

इकाई– 21 विकास का कार्यक्रम निर्माण– सम्पूर्ण विकास अर्थात् सर्वोदय , समर्थक संचार : (विकास समर्थक संचार : आरम्भ प्रक्रिया), कृषि : भाषा, कृषि विकास : (कृषि प्रसार, कृषि प्रसार का इतिहास) कृषि संचार प्रक्रिया , कृषि प्रसार और संचार माध्यम : (कृष्यिा प्रसार और समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन), स्वास्थ्य संचार : (विकास समर्थक, संचार और स्वास्थ्य), जनसंख्या : (जनसंख्या नियंत्रण एवं विकास समर्थक , संचार), भविष्य की चुनौतियाँ पर्यावरण : (आर्थिक विकास एवं पर्यावरण, भारत में पर्यावरण की स्थिति), विकास एवं पर्यावरण , विकास समर्थक संचार एवं पर्यावरण।

इकाई– 22 विकास संचार एवं लेखक – विकास की अवधारणा : (परिभाषा, विचारधारा, नोरा की परिभाषा, इवरेट एवं रोजर्स की परिभाषाः (भौतिक माहौल, मनोवैज्ञानिक माहौल), एफ, रोजैरियो ब्रेज के अनुसार परिभाषा, विकास संचार की प्रकृतिः (विकास संचार उद्देश्यपरक होता है, विकास संचार सार्थक होता है, विकास संचार व्यवहारिक है), विकास संचार के प्राथमिक कार्य : (परिवर्तन में सहायक की भूमिका, समाजोपयोगी भूमिका), विकास संचार में माध्यमों की भूमिका : (स्वचिन्तन, विस्तार, जादुई प्रभाव), विकास संचार : लेखन शैली : (आकड़ा संकलन, तथ्यों की जानकारी, लाइब्रेरी की मद्द, भाषा की सावधानी , तुलनात्मक अध्ययन) सार्थक लेखः (शंकरगढ़ में सिलिकासैंड खादान का विवाद, उपलब्धिः आठ साल में चांद पर फहरायेगा तिरंगा) विकास संचार का मुख्य कार्य : (सूचना देना, व्याख्या करना, कार्यक्रम को गति प्रदान करना, विभिन्न माध्यमों के लिए विकास संचार : (प्रेस, रेडियो, टेलीविजन के लिए विकास संचार)।

इकाई– 23 विकास एवं आधा दुनिया – आधी दुनिया का सच : (भारतीय समाज और नारी महिलाओं की वर्तमान स्थिति, महिलायें एवं ग्रामीण जीवन, शहरी जीवन), सामाजिक– सांस्कृतिक मान्यताओं और महिलायें, महिलाओं की संवैधानिक स्थिति , पंचवर्षीय योजनायें और महिला विकास : (प्रथम चरण, द्वितीय चरण, वर्तमान चरण, मूल्यांकन), महिला सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय नीति : (नीति का उद्देश्य , क्रियान्वयन नीति) महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण : (गरीबी उन्मूलन, सूक्ष्म ऋण, वृहद स्तर पर अर्थ व्यवस्था, कृषि एवं महलायें उद्योग एवं महिलायें, समर्थ व कार्य/सेवायें), महिलाओं का सामाजिक सशक्तीकरण : शिक्षा, स्वास्थ्य, कृपोषण, जल एवं स्वच्छता, आवास। आश्रम, पर्यावरण, विज्ञान एवं तकनीकी महिला एवं

विषम परिस्थितियाँ, हिंसा बालिकाओं के अधिकार, संचार माध्यम), महिला विकास में बाधक तत्व : कारक (पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक कारण) महिला विकास एवं मीडिया : (मीडिया में महिलाओं का प्रस्तुतीकरण, टेलीविजन, रेडियो पत्र – पत्रिकाओं एवं नारी)।

इकाई– 24 विकास संचार तथा राजनैतिक,आर्थिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक मुद्दे – विकास एवं विभिन्न मुद्दे : (विकास संचार और विकासशील दुनिया, विकास संचार बनाम विकसित एवं विकासशील दुनिया), विकास एवं जनसंचार, विकास संचार एवं राजनीतिः भारतीय राजनीति, संचार, सत्ता और जनमत का संबंध, प्रिंट मीडिया का प्रभाव, इलेक्ट्रानिक मीडिया का प्रभाव) विकास संचार एवं अर्थ जगत : (भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास, मिश्रित अर्थव्यवस्था का दौर, उदारीकरण का दौर, विकास संचार की भूमिका) विकास संचार एवं संस्कृति : (संस्कृति, पर संचार का प्रभाव, सांस्कृतिक संचार और इलेक्ट्रानिक मीडिया) विकास संचार एवं सामाजिक मुद्देः (उपभोक्ता एवं विकास संचार, विकास संचार की भूमिका) विकास संचार एवं बाल श्रमः (बाल श्रम एक राष्ट्रीय समस्या, उन्मूलन कार्यक्रमों की दिशा व रणनीति सरकारी योजनाओं की सीमायें, समस्याओं व समाधान, चुनौतियाँ, व निराकरण विकास संचार की भूमिका)

MJMC-10

जनसम्पर्क एवं विज्ञापन -II

इकाई– 1 जनसम्पर्क : स्वरूप , प्रक्रिया एवं महत्व – जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषाएँ क्षेत्र, स्वरूप, कार्यक्षेत्र : (बाह्य, आंतरिक, कार्यक्षेत्र), जनसंपर्क का उद्देश्य कार्य, प्रक्रिय चरण : (तथ्यान्वेषण/अनुसन्धान, योजना निर्माण योजना क्रियान्वयन, मूल्यांकन), जनसम्पर्क का महत्व।

इकाई– 2 प्रबन्ध की विद्या के रूप में जनसंपर्क – प्रबन्धन का अर्थ, आवश्यकता, विविध अंग, जनसंपर्क एक प्रबंधन कौशल के रूप में जनसंपर्क प्रबन्धन के तत्व, उद्देश्य, कार्य प्रबन्धन की अन्य विधाओं से जनसंपर्क का सम्बन्ध।

इकाई– 3 शासकीय जनसंपर्क – शासकीय जनसंपर्क का स्वरूप, विशेषताएं भारत में केन्द्र सरकार के जनसंपर्क संगठन राज्य सरकार और जन संपर्क, स्थानीय शासन एवं जनसंपर्क , सूचना का अधिकार और जनसंपर्क।

इकाई– 4 स्वायत्तशासी एवं स्वयेसवी संगठनों में जनसंपर्क– स्वयत्तशासी का अर्थ, स्वायत्तशासी संगठनों में जनसंपर्क की आवश्यकता, प्रमुख कार्य, स्वयत्तशासी संस्थाओं में जनसंपर्क का भविष्य , स्वयंसेवी संस्थाओं में जनसंपर्क : (स्वयं संवी का अर्थ), स्वयं सेवी संगठनों में जनसंपर्क की आवश्यकता, जनसंपर्क का भविष्य।

इकाई– 5 जनसंपर्क एवं संकट प्रबंधन – संकट का अर्थ, संकट प्रबंधन में जनसंपर्क की आवश्यकता , जनसंपर्क के कार्य, जनसंपर्क प्रक्रिया : संकट प्रबन्धन में जनसंपर्क के कार्य : (संकट का पूर्व अनुमान एवं प्रबंधन , संकटकालीन जनसंपर्क कार्य पश्चात जनसंपर्क प्रक्रिया) संकटकालीन परिस्थितियों में जनसंपर्क एवं प्रबंधन संबंध, प्रबन्धन में जनसंपर्क के सिद्धान्त।

इकाई– 6 जनसंपर्क के विविध उपकरण – जनसंपर्क उपकरण का अर्थ, आवश्यकता, रूप, मुद्रित जनसंपर्क उपकरण : (गृह पत्रिका, समाचार पत्र , न्यूज लेटर, स्मारिका व अन्य प्रकाशन, पोस्टर, हैण्डबिल, अन्य मुद्रित सामग्रियां), दृश्य– श्रव्य जनसंपर्क उपकरण : (रेडियो, टीवी, इंटरनेट क्लोज सर्किट टीवी जनसंपर्क फिल्में), अन्य उपकरण : (नाटक, कठपुतली, लोकनाट्य, मेला उत्सव, प्रदर्शनी पोस्टर, नोर, बैनर, तस्वीरें, कार्टून, चिन्ह) विज्ञापन : जनसंपर्क उपकरण के रूप में , जनसंपर्क उपकरणों का चयन ।

इकाई 7 जनसंपर्क : मीडिया परिदृश्य एवं मीडिया लेखन – जनसंपर्क और मीडिया, समाचार पत्र, टीवी, रेडियो, इंटरनेट, इटनैक्टिव मीडिया , लेखन, फीचर लेखन : (फिचर के प्रकार, विशेषताएं), प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना, अन्य लेखन।

इकाई 8 जनसंपर्कः मीडिया परिदृश्य एवं मीडिया लेखन – जनसंपर्क और मीडिया, समाचार पत्र, टीवी, रेडियो, इंटरनेट, इटनैक्टिव मीडिया, लेखन, फीचर लेखनः (फिचर के प्रकार, विशेषताएं), प्रेस विज्ञाप्ति तैयार करना, अन्य लेखन।

इकाई– 9 विपणन एवं जनसंपर्क – विपणन का अर्थ, महत्ता सम्बन्ध प्रोत्साहन एवं जनसंपर्क, बाजार अनुसंधान, ग्राहक उत्पपादक– सम्बन्ध एवं जनसंपर्क, विक्रेता – उत्पादक सम्बन्ध एवं जनसंपर्क ।

इकाई– 10 व्यवसाय के रूप में जनसंपर्क तथा जनसंपर्क संगठन – व्यवसाय के रूप में जनसंपर्क, जनसंपर्क व्यवसाय का वैश्विक परिदृश्य , भारत में जनसंपर्क एजेन्सी , जनसंपर्क एजेन्सी की संरचना, जनसंपर्क के संगठन इण्टरनेशनल पब्लिक, रिलेशन्स, एसोयिशन, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी आफ अमेरिका, द इंस्टूट्यूट ऑफ पल्बिक रिलेशन्स, लंदन, अन्य प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इण्डिया।

इकाई– 11 कारपोरेट जनसंपर्क : स्वरूप एवं आवश्यकता – कारपोरेट का अर्थ , जनसंपर्क, क्षेत्र , कार्य , महत्व।

इकाई– 12 संस्थान : जनता संपर्क – जनका का अर्थ, रूप विशेषताएँ, संगठन– जनता संपर्क की आवश्यकता, सिद्धान्त।

इकाई– 13 मार्केटिंग जनसंपर्क – मार्केटिंग जनसंपर्क की आवश्यकता, तत्व प्रमुख उद्देश्य , मीडिया, अभियान।

इकाई– 14 वैश्वीकरण एवं कारपोरेट जनसंपर्क – वैश्वीकरण का अर्थ , प्रभाव, (सूचना एवं

संचार के विशेष संदर्भ में), कारपोरेट, जनसंपर्क की आवश्यकता, प्रतिस्पर्धी एवं कारपोरेट जनसंपर्क, बाजार का वच्रस्व एवं कारपोरेट जनसंपर्क, ग्राहक संतुष्टि एवं कारपोरेट जनसम्पर्क, वैश्वीकरण के दबाव एवं जनसंपर्क नैतिकता।

इकाई– 15 कारपोरेट पहचान एवं प्रतीक चिन्ह् – कारपोरेट पहचान की आवश्यकता तत्व, जनसंपर्क एवं कारपोरेट साख निर्माण, प्रतीक चिन्ह् : अर्थ आवश्यकता, प्रकार, चयन,बदलाव, व्याख्या, स्थापना।

इकाई– 16 जनसंपर्क एवं इवेंट मैनेजमेन्ट – इवेंट मैनेजमेन्ट की आवश्यकता, तत्व, कार्य या लक्ष्य, योजना, बजट व चेकलिस्ट, जनसंपर्क एवं इवेन्ट मैनेजमेन्ट।

इकाई– 17 जनसंपर्क केस स्टडीज – केस स्टडी अर्थ एवं आवश्यकता, जनसंपर्क केस स्टडी के प्रमुख प्रकार, संकट प्रबंध : ओ.एन.जी.सी. केस स्टडी, विकास संचार : साइट केस स्टडी ग्रामीण विकास : खेड़ा केस स्टडी, राजनैतिक अभियान : आम आदमी का हाथ ।

इकाई– 18 जनसंपर्क : शिक्षण एवं प्रशिक्षण – जनसंपर्क शिक्षण की आवश्यकता, स्वरूप, शिक्षण समस्याएँ, स्थिति , संभावनाएं, जनसंपर्क शिक्षण का स्वरूप।

इकाई– 19 न्यू मीडिया एवं जनसंपर्क – न्यू मीडिया का अर्थ, संप्रेषण, जनसंपर्क इंटरनेट का उपयोग, अन्य न्यू मीडिया का उपयोग कन्वरजेंस का प्रभाव, ई–कामर्स का प्रभाव, सूचना दक्षता।

इकाई– 20 जनसंपर्क के नूतन परिप्रेक्ष्य – अवधारणात्मक परिवर्तन , समग्र संप्रेषण, पारदर्शिता, मूल्यांकन, प्रबंधकीय दृष्टि मीडिया, संबंध के नये आयाम, प्रौद्योगिकीय निर्भरता, शोध का प्रयोग।

इकाई– 21 विज्ञापन के आधारभूत पक्ष – विज्ञापन का अर्थ, विज्ञापन एक व्यवसाय के रूप में विज्ञापन एजेंसी : विज्ञापन एजेंसी की संरचना, कार्य), विज्ञापन का बजट, भारतीय विज्ञापन परिदृश्य, विज्ञापन एवं बाजार, विज्ञापन एवं उपभोक्ता, विज्ञापन प्रदाता की अपेक्षाएं, व्यावसायिक बनाम नैतिकता।

इकाई– 22 ब्राण्ड, ब्राण्डिंग एवं ब्राण्ड एम्बेसडर– ब्राण्ड एवं ब्रान्डिंग, ब्रान्डिग की आवश्यकता, ब्राण्डिंग के तत्व, प्रभाव, ब्राण्ड एम्बेसडर, ब्राण्ड एम्बेसडर की उपयोगिता।

इकाई– 23 विज्ञापन रचना एवं बजट – विज्ञापन रचना का अर्थ, तत्व, प्रक्रिया, विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन रचना, रेडियो विज्ञापन, टीवी, विज्ञापन, मुद्रित माध्यमों हेतु विज्ञापन, विज्ञापन पोस्टर, विज्ञापन रचना के शब्द व चित्र अनुपात, विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन काबजट निर्धारण : (विज्ञापन बजट की व्यय मदें, निर्धारण के आधार)।

इकाई– 24 जनसंपर्क एवं विज्ञान में अनुसंधान – अनुसंधान का अर्थ, विशेषताएं, प्रारूप एवं प्रक्रिया , जनसंपर्क अनुसंधान, विविध रूप, प्रतिपुष्टि आकलन, विज्ञापन, एवं अनुसंधान, विविध रूप।

इकाई– 25 जनसंपर्क : मीडिया सम्बन्ध एवं विज्ञापन – जनसंपर्क एवं मीडिया एवं संबंध : (सत्यता, विश्वसनीयता, आपसी समझ, व्यावसायिक दक्षता, सहयोग, सम्मान), जनसपर्ककर्मी से मीडिया की अपेक्षा, जनसंपर्क एवं मीडिया मूल्यांकन, जनसंपर्क – विज्ञापन अन्तर्सबंध, विज्ञापन जनसंपर्क उपकरण के रूप में ।

MJMC-11
फिल्म एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया

इकाई –1 मास मीडिया का विवरण – मास मीडिया की आधार भूत अवधारणा, मास मीडिया के प्रकार, प्रिन्ट मीडिया, भारत में समाचार पत्र का अवतरण,

इकाई– 2 इलेक्ट्रानिक मीडिया – इलेक्ट्रानिक मीडिया, अर्थ, स्वरूप, प्रकार, रेडियो के आयाम, टेलीविजन की गतिमय यात्रा।

इकाई– 3 फिल्म एवं हिन्दी पत्रकारिता – विश्व सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, भारत में सिनेमा का आरंभ और विकास : भारत में सिनेमा का आरम्भ , सिनेमा की शुरूआत : मूक सिनेमा का दौर, सिनेमा का सवाकयुग, स्वतंत्रता के बाद हिन्दी सिनेमा, समायांतर सिनेमा या कला सिनेमा, फिल्म पत्रकारिता : (उद्‌भव समाचार या रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, फिल्म समीक्षा, फीचर और लेख), जनमाध्यम के रूप में फिल्म : फिल्मों (चलचित्रों) के प्रकार, फिल्म और टेलीविजन), हिन्दी सिनेमा : विश्लेषण और मूल्यांकन।

इकाई– 4 फोटो पत्रकारिता – फोटो पत्रकारिता – (परिभाषा, फोटो पत्रकारिता से लाभ, फोटो पत्रकाातिर का इतिहास, फोटो पत्रकार : (फोटो पत्रकार के गुण, खोजी पत्रकारिता और फोटो पत्रकार), फोटो पत्रकारिता और भाषा, फोटो पत्रकारिता एक चुनौती।

इकाई– 5 फिल्म पत्रकारिता का स्वरूप – फिल्म पत्रकारिता : (फिल्म पत्रकारिता क्या है? फिल्म पत्रकारिता की परिभाषा, फिल्म पत्रकारिता का स्वरूप) फिल्मों के प्रकार, फिल्म पत्रकारिता की विशेषताएँ, फिल्म का यथार्थवादी रूप डाक्यूमेन्ट्री (वृत्तचित्र) फिल्म (समाज सुधार और फिल्म, संस्कृत और फिल्म, नारी जागरण तथा भारतीय फिल्म)।

इकाई– 6 फिल्म पत्रकारिता – फिल्म समीक्षा : समाचार प्रस्तुतीकरण – फिल्म पत्रकारिता (फिल्मी स्तम्भ का महत्व का लाभ) फिल्म समीक्षा समाचार प्रस्तुतीकरण : समाचार संपादन, समाचारों का चयन विभिन्न स्रोतों से प्राप्त समाचारों का संपादन, फोटो सम्पादन, कार्टून सम्पादन।

इकाई– 7 भारत में फिल्मों सम्बन्धित संगठन – फिल्म संगठन : केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड भारतीय फिल्म अभिलेखागार, फिल्म प्रभाग लोक सेवा संचार परिषद, कानूनी प्रावधान, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, फिल्म समारोह निदेशालय, सेंसर बोर्ड) नई डिजीटल प्रणाली और सिनेमा।

इकाई– 8 रेडियो समाचार : उद्‌देश्य एवं संरचना – समाचार का उद्‌देश्य, श्रोता खबर और सरकार, समाचार और पत्रकारिता , कुछ सम्मतियाँ, समाचार संरचना दायित्व, स्रोत, समाचार समितियाँ, समाचार संरचना दायित्व, स्रोत , समाचार समितियाँ, विश्व में रेडियों समाचार का उद्भव एवं विकास, प्रेस सम्बन्धी , कानून वेब रेडियो।

इकाई– 9 रेडियो समाचार लेखन – इलेक्ट्रानिक मीडिया समाचार लेखन, रेडियो समाचार की भाषा , शब्दों का जादू, विविध प्रयोग, अर्थ का जाल।

इकाई– 10 भारत में रेडियो – भारत में रेडियो, 1947 में रेडियो, आज की स्थित, भारत में रेडियो की विकास यात्रा विविध भारती, राष्ट्रीय चैनल, विदेश सेवा (एक्स टर्नल सेवा), रेडियो समाचार।

इकाई– 11 विश्व रेडियो की उत्पत्ति एवं विकास – प्रसारण का मूलभूत विश्लेषण, रेडियो का आरम्भ , विश्व के सर्वप्रथम बाडकास्ट, प्रसारण पर नियंत्रण , रेडियो की उपादेयता, रेडियो का स्वर्णिम युग, स्तरीय मीटर, रेडियो यूनाइटेउ किंगडम में ।

इकाई– 12 रेडियो की वर्तमान स्थिति – राष्ट्रीय नेटवर्क, प्रसारण, नेटवर्क , एफ0एम0 का विकास, फ्रिक्वेन्सीमाडुलेशन, स्टीरियौनिक एफ0 एम0, एफ0एम0 स्टीरियो, भारत में एफ0एम0, वर्तमान स्थिति, एफ0एम0 चैनलों के नये दावेदार, कुछ मूक प्रश्न, प्रश्न चिन्ह्, समाचार और करेंट एफेयर्स, विश्व में रेडियो उद्योग की स्थिति ।

इकाई– 13 टी0वी0 परिचय, स्वरूप सिद्धान्त – टेलीविजन परिचय, आविष्कार एवं पद्धति रंगीन टेलीविजन, टेलीविजन प्रसारण, टेलीविजन के विभिन्न कार्यक्रम टी0वी0 कार्यक्रम की संरचना, टी0वी0 कार्यक्रम की संरचना , टी0वी0 चैनल, दूरदर्शन के चैनल, जी0टी0वी0 आजतक, सोनी मनोरंजन टी0वी0 भारत, स्टार टी0वी0।

इकाई– 14 दूरदर्शन – दूरदर्शन, क्षेत्रीय चैनल, प्रसारण समय आउटपुट, मील के एशियाड– 81,1993,–94 का दौर, राष्ट्रीय कार्यक्रम , डी0डी0 भारत डी0 डी0 1, दूरदर्शन की त्रिस्तरीय सेवा।

इकाई– 15 विश्व में टी0वी0 की विकास यात्रा – जी0 नेटवर्क केबिल एवं केबल टी0वी0 कुछ

प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, सेटेलाइट टी0वी0 प्रसारण, चैनलों की लोक प्रियता, चैनलों के लाभ, टेलीविजन की गतिमय यात्रा, टेलीविजन का स्वर्ण युग, उपग्रह और केबिल टी0वी0 खबरें टी0वी0 का तुरन्त रिप्ले, डिजिटल टी0वी0।

इकाई– 16 ई–जर्नलिज्म और आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी – ई–जर्नलिज्म का क्षेत्र, टी0वी0 पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता, अन्य इलेक्ट्रानिक समाचार सेवाएं, ई–जर्नलिज्म और आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी, डिजिट एवं कन्वरेजेंस प्रौद्योगिकी।

इकाई– 17 कम्प्यूटर – कम्प्यूटर की विशेषताएं, उपयोगतिगा : (लेखन और कम्प्यूटर, जिस्ट टेक्नोलाजी), कम्प्यूट के महत्वपूर्ण अंग, डेस्क टॉप पब्लिशिंग, कम्प्यूटर की विकास यात्रा वायस कम्प्यूटर , कम्प्यूटर की भाषा, मोडम, मल्टी मीडिया : (मल्टी मीडिया के उपयोग , क्षेत्र , कन्वरजेन्स)।

इकाई– 18 इन्टरनेट : अर्थ एवं संरचना – इंटरनेट इ–नेटवर्किंग इंटरनेट का इतिहास एवं विकास : (इतिहास और विकास, भारत में इंटरनेट), उपलब्ध सेवाएं।

इकाई– 19 साइबर पत्रकारिता – साइबर अर्थ एवं भारतीय संदर्भ , साइबर पत्रकारिता की इतिहास, पत्रकारिता इंटरनेट की ओर, वेबसाइट का निर्माण, कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइट।